राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण शुक्रवार, 24 दिसंबर-2021 वर्ष-4,अंक-330 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आरटीआई एक्टिविस्ट पर हमला:सरपंच पुत्र समेत चार गिरफ्तार,थानाधिकारी लाइन हाजिर

क्रांति समय,सूरत

बाड़मेर जिले के गिड़ा थाना क्षेत्र में आरटीआई एक्टिविस्ट अमराराम पर जानलेवा हमले के मामले में बाड़मेर पुलिस ने मामले के आरोपी सरपंच के बेटे सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है.

बाड़मेर जिले के गिड़ा थाना क्षेत्र में आरटीआई एक्टिविस्ट अमराराम पर जानलेवा हमले के मामले में बाड़मेर पुलिस ने मामले के आरोपी सरपंच के बेटे सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. उनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त स्कॉर्पियो को भी जब्त कर लिया गया है.

बाड़मेर पुलिस अधीक्षक दीपक भार्गव ने बताया कि गिरफ्तार किए गए चारो आरोपियों से पुलिस पूछताछ कर रही है. वहीं आरोपियों ने पूछताछ में इस पूरे घटनाक्रम का जुर्म कबूल किया है. इस घटना क्षेत्र के बीट कांस्टेबल को निलंबित कर दिया है और थानाधिकारी को लाइन हाजिर कर दिया गया है. वही पीड़ित आरटीआई एक्टिविस्ट अमराराम का जोधपुर के एमडीएम अस्पताल में इलाज चल रहा है और कल उनका ऑपरेशन होगा.

पुलिस अधीक्षक में चिकित्सा अधिकारियों को पत्र लिखकर पीड़ित का सूक्ष्म मेडिकल मुआयना कराने का आग्रह किया है. वहीं पुलिस की 5 टीमें अभी भी इस हमले की साजिश करने वालों सहित अन्य आरोपियों की तलाश कर रही हैं. इस पूरे मामले की पुलिस अधीक्षक दीपक भार्गव ने गिड़ा थाने से जांच बदलकर पचपदरा थानाधिकारी प्रदीप डागा को सौंप दी है.

गौरतलब है कि बाड़मेर जिले में आरटीआई कार्यकर्ता के साथ तालिबानी तरीके की पिटाई के मामले में मुख्यमंत्री कार्यालय ने बाड़मेर के जिला कलेक्टर से इस पूरे मामले रिपोर्ट मांगी है. आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार करने के निर्देश दिए हैं. राज्य मानवाधिकार आयोग ने भी इस मामले पर जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और आबकारी आयुक्त से इस मामले की डिटेल रिपोर्ट मांगी है.

RTI कार्यकर्ता का हाथ-पांव तोड़ अधमरा किया, शराब माफियों के खिलाफ की थी शिकायत

क्रांति समय,सूरत

बाड़मेर जिले के गिड़ा थाना इलाके में बीती रात आरटीआई कार्यकर्ता अमराराम का बदमाशों ने अपहरण कर लिया. फिर बुरी तरह से पिटाई कर हाथ-पांव तोड़ अधमरा कर दिया. आरोपियों ने पीड़ित कार्यकर्ता को गांव के पास सड़क किनारे फेंक दिया. गंभीर हालत में पीड़ित को जोधपुर ले जाया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है. आरटीआई कार्यकर्ता अमराराम ने शराब माफियाओं की 2 दिन पहले ही शिकायत की थी, जिसपर पुलिस ने कार्रवाई की थी.

जानकारी के अनुसार आरटीआई कार्यकर्ता अमराराम लगातार अवैध शराब माफियाओं के खिलाफ पुलिस को जानकारी दे रहा था. साथ ही ग्राम पंचायत में होने वाले घोटालों को लेकर भी एक्टिविस्ट का काम कर रहा था. अमराराम मंगलवार को जोधपुर शाम को अपने घर के लिए बस से रवाना हुए. जैसे ही वो गांव के पास उतरे, बदमाशों ने अपहरण कर लिया. वे इन्हें सुनसान जगह पर ले गए. बदमाशों ने डंडे से जमकर मारा. पिटाई से अमराराम के हाथ-पैर टूट गए. शरीर के कई हिस्सों से खून बहने लग गया. उसके बाद बदमाशों ने गांव के पास ही सड़क के किनारे फेंक दिया.

पुलिस अधीक्षक दीपक भार्गव ने बताया कि जानकारी मिलने पर आरटीआई एक्टिविस्ट अमराराम का इलाज पुलिस कस्टडी में करवाया जा रहा है. उसे बालोतरा इलाज के लिए भेजा गया जहां से हायर सेंटर एमडीएम अस्पताल जोधपुर रेफर कर दिया है. अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बाड़मेर को उनसे मिलने के लिए भेजा गया है. अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खुद निगरानी में जोधपुर में इलाज करवा रहे हैं. साथ ही आरोपियों को पकड़ने के लिए चार टीमें गठित की गई है. आरोपियों के खिलाफ कई गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया गया है.

सोशल मीडिया में धमकियों के बारे में बताया था

आरटीआई एक्टिविस्ट अमराराम ने एक दिन पहले ही फेसबुक पर लिखा कि मुझे धमकियां मिल रही हैं. उन्होंने ये भी बताया कि इस बात की पुलिस को जानकारी भी दे दी गई है. उन्होंने अपने पोस्ट के लिए दावा किया कि वे अंतिम सांस तक शराब माफियाओं के खिलाफ लड़ेंगे.

RTI एक्टिविस्ट के हाथ-पैर तोड़े, पैरों में कीलें ठोंकी,CMOने दिए ये निर्देश

क्रांति समय,सूरत

पश्चिमी राजस्थान के बाड़मेर जिले में आरटीआई कार्यकर्ता के साथ तालिबानी तरीके की पिटाई के मामले में मुख्यमंत्री कार्यालय ने बाड़मेर के जिला कलेक्टर से इस पूरे मामले की तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी है. साथ ही आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार करने के निर्देश दिए हैं. पश्चिमी राजस्थान के बाड़मेर जिले में आरटीआई कार्यकर्ता के साथ तालिबानी तरीके की पिटाई के मामले में मुख्यमंत्री कार्यालय ने बाड़मेर के जिला कलेक्टर से इस पूरे मामले की तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी है. साथ ही आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार करने के निर्देश दिए हैं. साथ ही राज्य मानवाधिकार आयोग ने भी इस मामले पर जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और आबकारी आयुक्त से इस मामले की रिपोर्ट मांगी है.

बाड़मेर जिले के गिड़ा थाना क्षेत्र में आरटीआई एक्टिविस्ट अमराराम पर हुए जानलेवा हमले के बाद में बाड़मेर पुलिस अधीक्षक दीपक भार्गव ने इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए घायल एक्टिविस्ट को बालोतरा के राजकीय अस्पताल में भर्ती करवाया और उसके बाद में उसकी गंभीर स्थिति होने के चलते जोधपुर रेफर कर दिया, जिसको लेकर पुलिस अधीक्षक दीपक भार्गव

ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरपत सिंह को पीड़ित घायल एक्टिविस्ट का इलाज करवाने के लिए जोधपुर एमडीएम अस्पताल अस्पताल भेजा गया, जहां पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने पीड़ित के बयान दर्ज कर उसके स्वास्थ्य की जानकारी ली.

उसके बाद में पुलिस अधीक्षक दीपक भार्गव ने साइबर एक्सपर्ट सहित चार अलग-अलग टीमों का गठन कर आरोपियों की तलाश लगातार की जा रही है. साथ ही पुलिस अधीक्षक ने इस पूरे मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर गिड़ा थाना में कैंप किए हुए हैं और खुद इस पूरे मामले की मॉनिटरिंग कर रहे हैं. वहीं इस मामले को लेकर राज्य मानवाधिकार आयोग ने बाड़मेर जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और आबकारी आयुक्त उदयपुर को नोटिस जारी कर आरटीआई एक्टिविस्ट द्वारा की गई शिकायतों पर कार्रवाई का विवरण मांगा है. साथ ही बाड़मेर पुलिस अब तक हमले के बाद की गई कार्रवाई को लेकर भी तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी है. साथ ही मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी इस पूरे मामले को लेकर जिला कलेक्टर लोकबंधु से तत्काल तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी है और पुलिस को इस हमले के मास्टरमाइंड सहित सन लिप्त सभी आरोपियों को गिरफ्तार करने के निर्देश दिए हैं.

अमराराम आरटीआई एक्टिविस्ट लगातार अपने क्षेत्र में सक्रिय था और क्षेत्र की ग्राम पंचायतों में मनरेगा सहित अन्य विकास कार्यों में हो रहे भ्रष्टाचार को लेकर ग्राम पंचायतों में सूचना के अधिकार के तहत आरटीआई लगाकर सूचनाएं मांगता था और उसके बाद उसकी उच्च अधिकारियों को शिकायत करता था. इसकी शिकायत के आधार पर कई ग्राम पंचायतों में भ्रष्टाचार के मामलों में रिकवरी भी हो चुकी है. साथ ही पिछले दिनों आरटीआई एक्टिविस्ट अमराराम ने बाड़मेर पुलिस अधीक्षक दीपक भार्गव को किराने की दुकान की आड़ में अवैध शराब बेचने की शिकायत की थी, जिस पर पुलिस अधीक्षक में पुलिस की जिला स्पेशल टीम के द्वारा कार्रवाई करवाकर काफी मात्रा में शराब पकड़ी और आरोपी को भी गिरफ्तार किया था.

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

सुविचार

सत्य को हजार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा। - स्वामी विवेकानंद

संपादकीय

भीड़ से बचाव

कोरोना के नए संस्करण ओमीक्रोन के कारण भारत ही नहीं, दुनिया के अनेक देशों में तनाव हावी है। क्रिसमस और नववर्ष के स्वागत संबंधी आयोजनों पर भी इस संकट का साया मंडराने लगा है। ऐसा लगता है कि पिछले वर्ष की तरह ही इस साल भी उत्सव आयोजन पर असर पड़ेगा। दिल्ली सरकार ने अगर आयोजनों पर रोक लगाने के लिए कहा है, तो उसके फैसले का स्वागत होना चाहिए। दिल्ली में जिलाधिकारियों को अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में सभी आवश्यक उपाय करने के निर्देश दिए गए हैं। जाहिर है, अब लोगों को अपने घर में रहते हुए ही नए साल का स्वागत करना होगा और यही उचित है। सरकारी आंकड़ों को अगर देखें, तो दिल्ली 57 मामलों के साथ ओमीक्रोन संक्रमण में सबसे आगे है, इसके बाद महाराष्ट्र (54), तेलंगाना (24) और कर्नाटक (19) का स्थान है। राष्ट्रीय राजधानी में गहन सर्वेक्षण करने के लिए कहा गया है। उन इलाकों की पहचान की जा रही है, जो ओमीक्रोन संक्रमण के मामले में खतरनाक साबित हो सकते हैं। मास्क और परस्पर दूरी को फिर अनिवार्य करने को कहा गया है। इसमें शक नहीं है कि पिछले दिनों शादी-ब्याह और अन्य प्रकार के आयोजनों में जिस तरह से कोविड दिशा-निर्देशों की अवहेलना हुई है, उसके परिणाम सामने आने लगे हैं। कोई आश्चर्य नहीं कि दिल्ली के अलावा मुंबई में भी धारा 144 लागू है। वहां भी लोगों को सावधान कर दिया गया है। वहां भी आयोजनों पर पाबंदी लग चुकी है। अन्य शहरों में भी स्थानीय निकाय अपने-अपने स्तर पर पाबंदियां लगाने में जुटे हैं। यह आशंका जताई जा रही है कि बचाव से खिलवाड़ हुआ, तो जनवरी के महीने में ओमीक्रोन के मामले बढ़ सकते हैं। जरूरी है कि अभी से बड़े आयोजनों को रोका जाए और सभा, रेस्तरां, ऑडिटोरियम में पचास प्रतिशत से ज्यादा लोगों को उपस्थित न होने दिया जाए। तमाम राज्यों को शादी समारोहों में भी लोगों की अधिकतम सीमा तय करनी चाहिए। सभी सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक, मनोरंजन कार्यक्रमों और धार्मिक समारोहों में भीड़ को रोकने के प्रबंध जरूरी हैं। जिन राज्यों में चुनाव हैं, वहां विशेष रूप से सावधान रहना होगा। उत्तर प्रदेश में विशेष रूप से दिशा-निर्देशों की गंभीरता से पालना जरूरी है। भारत में मंगलवार को कोविड-19 के 6,317 नए मामले दर्ज किए गए हैं। तुलनात्मक रूप से यह आंकड़ा ज्यादा नहीं है, लेकिन बड़ी चिंता की बात यह है कि कोरोना से लोगों की मौत का क्रम टूट नहीं रहा है। मंगलवार को करीब 318 लोगों की मौत हुई है। भय और चिंता इसलिए भी ज्यादा है, क्योंकि ओमीक्रोन को डेल्टा की तुलना में कई गुना ज्यादा संक्रामक बताया जा रहा है। केंद्र सरकार ने तमाम राज्य सरकारों को चेता दिया है कि जरूरत के हिसाब से प्रतिबंध लगाए जाएं। आशंका है कि पूरे देश में रात के कर्फ्यू की वापसी हो सकती है और सभाओं-आयोजनों पर रोक भी लौट सकती है। अभी देश जिस मुकाम पर है, वहां हम व्यावसायिक गतिविधियों को नहीं रोक सकते और न लॉकडाउन की वापसी संभव है, लेकिन आयोजनों को जरूर रोक सकते हैं। भीड़ से बचने की दिशा में हमारे नेताओं को पहल करनी चाहिए। कहीं कड़ाई और कहीं ढिलाई का खतरा हम नहीं उठा सकते। हम अगर ठान लें, तो तीसरी लहर टल सकती है।

आज के कार्टून

शाकाहार

आचार्य रजनीश ओशो/ आदमी को, स्वाभाविक रूप से, एक शाकाहारी होना चाहिए क्योंकि पूरा शरीर शाकाहारी भोजन के लिए बना है। वैज्ञानिक इस तथ्य को मानते हैं कि मानव शरीर का संपूर्ण ढांचा दिखाता है कि आदमी गैर-शाकाहारी नहीं होना चाहिए। आदमी बंदरों से आया है। बंदर शाकाहारी हैं, पूर्ण शाकाहारी। अगर डार्विन सही है तो आदमी को शाकाहारी होना चाहिए। जरा देखो, क्या होता है जब तुम मांस खाते हो- जब तुम एक पशु को मारते हो, क्या होता है पशु को, जब वह मारा जाता है? बेशक, कोई भी मारा जाना नहीं चाहता। जीवन स्वयं को लंबाना चाहता है, पशु स्वेच्छा से नहीं मर रहा है। अगर कोई तुम्हें मारता है, तुम स्वेच्छा से नहीं मरोगे। अगर एक शेर तुम पर कूदता है और तुमको मारता है, तुम्हारे मन पर क्या बीतेगी? वही होता है जब तुम एक शेर को मारते हो। वेदना, भय, मृत्यु, पीड़ा, चिंता, क्रोध, हिंसा, उदासी ये सब चीजें पशु को होती हैं। उसके पूरे शरीर पर हिंसा, वेदना, पीड़ा फैल जाती है। पूरा शरीर विष से भर जाता है, जहर से। शरीर की सब ग्रंथियां जहर छोड़ती हैं क्योंकि जानवर न चाहते हुए भी मर रहा है। और फिर तुम मांस खाते हो, वह मांस सारा विष वहन करता है जो पशु द्वारा छोड़ा गया है। पूरी ऊर्जा जहरीली है। फिर वे जहर तुम्हारे शरीर में चले जाते हैं। वह मांस जो तुम खा रहे हो एक पशु के शरीर से संबंधित था। उसका वहां एक विशेष उद्देश्य था। चेतना का एक विशिष्ट प्रकार पशु-शरीर में बसता था। तुम जानवरों की चेतना की तुलना में एक उच्च स्तर पर हो, और जब तुम पशु का मांस खाते हो, तुम्हारा शरीर सबसे निम्न स्तर को चला जाता है, जानवर के निचले स्तर को। तब तुम्हारी चेतना और तुम्हारे शरीर के बीच एक अंतर मौजूद होता है, और एक तनाव पैदा होता है और चिंता पैदा होती है। हो सकता है तुम अवगत नहीं हो- भोजन पर दुनिया में अनुसंधान चलता रहता है, और वे कहते हैं कि अगर तुम्हारी नाक पूरी तरह से बंद कर दी जाए, और तुम्हारी आंखें बंद हों, और फिर तुम्हें खाने के लिए एक प्याज दिया जाए, तुम नहीं बता सकते कि तुम क्या खा रहे हो। अब वे जानते हैं कि- आइसक्रीम पौष्टिक है या नहीं, यह बात नहीं है। उसमें स्वाद हो सकता है, कुछ रसायन हो सकते हैं जो जीभ को परितृप्त भले ही करें मगर शरीर के लिए आवश्यक नहीं होते। आदमी उलझन में है, भैंसों से भी अधिक उलझन में। तुम भैंसों को आइसक्रीम खाने के लिए राजी नहीं कर सकते। कोशिश करो!

शैक्षिक सुधार खोलेंगे रोजगार के द्वार

भरत झुनझुनवाला

केंद्र सरकार का कहना है कि 2018 में प्रोविडेंट फंड की सदस्यता लेने वाले श्रमिकों में 70 लाख की वृद्धि हुई है लेकिन प्रोविडेंट फंड की सदस्यता में वृद्धि और रोजगार में वृद्धि दो अलग-अलग बाते हैं। 2018 का समय नोटबंदी और जीएसटी का था। इन नीतियों के कारण छोटे उद्योग कम हुए थे और बड़े उद्योग बढ़े थे। छोटे उद्योग ही ज्यादा रोजगार बनाते थे। इसलिए यदि छोटे उद्योगों में 100 कर्मी बेरोजगार हुए तो हम मान सकते हैं कि बड़े उद्योगों में 50 रोजगार बने होंगे। कुल मिलाकर रोजगार में 50 की गिरावट आयी। लेकिन जिन 50 को रोजगार मिला, वे प्रोविडेंट फंड के सदस्य बने, चूंकि वे बड़े उद्योगों में कार्यरत थे। इसलिए प्रोविडेंट फंड की सदस्यता में 50 सदस्यों की वृद्धि हुई जबकि साथ-साथ कुल रोजगार में 50 श्रमिकों की गिरावट आई। इसीलिए केंद्र सरकार द्वारा किए गये सामयिक श्रम सर्वे में कहा गया कि 2012 एवं 2018 के बीच अपने देश में शहरी बेरोजगारी में तीन गुना वृद्धि हुई है। और गम्भीर विषय यह है कि यदि मान भी लें कि 2018 में 70 लाख नये रोजगार बने तो भी बेरोजगारी की समस्या का निदान नहीं होता क्योंकि अपने देश में हर वर्ष 120 लाख नये युवा श्रम बाजार में प्रवेश कर रहे हैं। इनमें से यदि 70 लाख को रोजगार मिल भी गया तो भी 50 लाख युवा बेरोजगार ही रह जायेंगे। समस्या के गंभीर होने के दूसरे संकेत उपलब्ध हैं। केन्द्र सरकार द्वारा जारी किए गये उपरोक्त सामयिक श्रम सर्वे के अनुसार 2012 से 2018 के बीच शहरी बेरोजगारी की दर में 3 गुना वृद्धि हुई है। इसी सर्वे के अनुसार 2018 में अपने देश में 15 से 24 वर्ष के लोगों में 28.5 प्रतिशत बेरोजगार थे जो कि विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में अधिकतम था। इसी सर्वे के अनुसार 2012 से 2018 के बीच वेतन में भी गिरावट आई है। जैसे मान लीजिये आपका 2012 में वेतन 100 रुपये प्रति दिन था और 2018 में आपका वेतन 110 रुपये प्रतिदिन हो गया। वेतन में 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई लेकिन मान लीजिये इसी अवधि में जो टॉफ़ी 2012 में 1 रुपये में मिलती थी, वह 2018 में 1.50 रुपये में मिलने लगी। ऐसा हुआ तो आपके वास्तविक वेतन में कटौती हुई। 2012 में आप एक दिन के वेतन में 100 टॉफी खरीद सकते थे। 2018 में एक दिन के वेतन में आपको केवल 55 टॉफी मिलेंगी, चूंकि वेतन में वृद्धि कम और टॉफ़ी के दाम में वृद्धि ज्यादा हुई है। इसलिए केंद्र सरकार द्वारा किए गये सर्वे में कहा गया कि 2012 से 2018 के बीच वास्तविक वेतन में 1.7 प्रतिशत की गिरावट आई है। अतः बेरोजगारी की समस्या को झुठलाने से काम नहीं चलेगा। इसके मूल कारणों का निवारण करना होगा। बेरोजगारी की समस्या का प्रमुख कारण तकनीकी बदलाव है। जैसे पूर्व में बैंक में खाते क्लर्कों द्वारा रखे जाते थे। अब यह कार्य कम्प्यूटर से होने लगा है। बैंक की कई शाखाओं में केवल दो या तीन कर्मी काम करते हैं। कम्प्यूटर ने श्रमिकों की जरूरत को कम कर दिया है। लेकिन साथ-साथ बैंकों का प्रसार बढ़ा है और शाखाओं की संख्या बढ़ी है। इनमें नये रोजगार उत्पन्न हुए हैं। इतिहास पर गौर करें तो किसी समय यातायात का प्रमुख साधन घोड़ा-गाड़ी हुआ करता था। इसके बाद कार का आविष्कार हुआ, जिसके कारण घोड़ा-गाड़ी चलाने वाले बेरोजगार हो गये। लेकिन कार के चलन का विस्तार हुआ। इनके उत्पादन और मरम्मत में नये रोजगार बने। इनके लिए सड़क और फ्लाईओवर बनाने में भी रोजगार बने। इसलिए घोड़ा-गाड़ी में रोजगार में गिरावट के बावजूद यातायात क्षेत्र में कुल रोजगार बढ़े। वर्तमान समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का खतरा हमारे सामने है। तमाम कार्य जैसे हड्डी में फ्रैक्चर को पहचानना अथवा खून की जांच करना अब कम्प्यूटर द्वारा किये जाने लगे हैं। ऐसा होने से रेडियोलॉजिस्ट और पैथोलाजिस्ट के रोजगार पर संकट आने को है। लेकिन जिस प्रकार घोड़ा-गाड़ी के समाप्त होने के बावजूद कार के चलन से कुल रोजगार में वृद्धि हुई; उसी प्रकार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से तमाम नये उत्पाद बन सकते हैं। जैसे आपके मनपसन्द प्लॉट का सिनेमा बनाना अथवा वीडियो मिक्स करना इत्यादि। अतः हमें अपने युवाओं को रोजगारों की इन नई संभावनाओं को पकड़ने को प्रशिक्षित करना होगा। यहां प्रमुख समस्या हमारी शिक्षा व्यवस्था की है। वर्तमान में युवाओं का रुझान सरकारी नौकरियों की तरफ बना हुआ है, बावजूद इसके सरकारी नौकरियों की संख्या में कमी आई है। लेकिन सामान्य शिक्षा वाले प्राइमरी सरकारी स्कूल के टीचर को आज 50 से 70 हजार रुपये प्रतिमाह मिलता है जबकि एक ट्रेंड नर्स अथवा डाटा एंट्री आपरेटर को बमुश्किल 15 हजार रुपये प्रतिमाह मिलता है। इसलिए युवाओं को नर्स अथवा डाटा एंट्री आपरेटर की क्षमता हासिल करने में रुचि

नहीं है। उनका पूरा ध्यान सरकारी नौकरी हासिल करने की तरफ रहता है। वास्तविक 'शिक्षा' ग्रहण करने में उनकी रुचि नहीं है। सरकार को चाहिए कि सरकारी कर्मियों और साधारण नागरिकों जैसे नर्स के वेतन के बीच संतुलन स्थापित करे, जिससे सरकारी नौकरी का मोह कम हो और हमारे युवा व्यावहारिक पढ़ाई पर ध्यान दें। इस दिशा में सरकार को प्राइमरी स्तर पर ही अंग्रेजी भाषा और कम्प्यूटर शिक्षा को अनिवार्य कर देना चाहिए, जिससे कि युवा आने वाले समय में कम्प्यूटर आधारित रोजगार, जैसे पुस्तकों का अनुवाद करना अथवा वीडियो मिक्स करना जैसे कार्यों को स्वयं कर सकें और अपनी जीविका अर्जित कर सकें। हमें इस चिंता में नहीं रहना चाहिए कि अंग्रेजी को अपनाने से हमारी संस्कृति की हानि होगी। हमें ध्यान करना चाहिए कि किसी समय हमारी संस्कृति सिन्धु घाटी की भाषा में समझी जाती थी। इसके बाद वही प्राकृत भाषा में परिवर्तित हुई और फिर देवनागरी में। लेकिन संस्कृति की निरन्तरता कायम रही। इसलिए हमें प्रयास करना चाहिए कि अपनी संस्कृति का अंग्रेजीकरण करें जिससे कि हम अंग्रेजी भाषा में उत्पन्न होने वाले रोजगार भी हासिल करें और साथ-साथ अपनी संस्कृति का वैश्वीकरण भी कर सकें। यदि हम अपने वेद, पुराण तथा करपात्रीजी महाराज जैसे विद्वानों की टीकों को सुलभ अंग्रेजी में उपलब्ध करा दें तो हमारी संस्कृति का भी वैश्वीकरण होगा और युवाओं को रोजगार भी मिलेगा। हमें भविष्य की ओर देखना चाहिए। इतिहास की उपयोगिता भविष्य को संवारने के लिए होती है। इतिहास का उद्देश्य कठघरे में जीवित रहने का नहीं होता है।

लेखक आर्थिक मामलों के जानकार हैं।

बनें जागरूक उपभोक्ता

(राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस (24 दिसम्बर) (लेखक- योगेश कुमार गोयल)

अनिल ने अपना बिजली का बिल सही समय पर जमा करा दिया लेकिन फिर भी विभाग ने उसका बिजली कनैक्शन काट दिया। रोमा ने रेलवे भर्ती बोर्ड की परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए आवेदन भेजने की अंतिम तिथि से 4 दिन पहले ही स्पीड पोस्ट द्वारा आवेदन भेज दिया था लेकिन आवेदन सही समय पर नहीं पहुंचने के कारण वह परीक्षा में नहीं बैठ सकी और डाक विभाग इसके लिए अपनी गलती मानने को तैयार नहीं। सीमा का लैंडलाइन फोन कई महीनों से खराब पड़ा है पर विभाग फोन ठीक कराने के बजाय बिल लगातार भेज रहा है और बिलों के भुगतान के लिए बाध्य करता है। राकेश के साथ जोखिम अवधि के दौरान ही दुर्घटना होने पर भी बीमा कम्पनी क्लेम का भुगतान नहीं कर रही। सुरेश मेहता ने ट्रेन में रिजर्वेशन कराया लेकिन आरक्षण के बाद भी बर्थ नहीं मिली। संगीता ने बाजार से मिर्च का पैकेट खरीदा, पैकेट खोला तो मिर्च में फफूंद लगी थी लेकिन दुकानदार पैकेट बदलने को तैयार नहीं। रमेश ने बाजार से बिजली का एक पंखा खरीदा लेकिन एक वर्ष की गारंटी होने के बावजूद सिर्फ दो महीने बाद ही पंखा खराब होने पर भी दुकानदार उसे ठीक कराने या बदलने में आनाकानी कर रहा है। जीवन में ऐसी छोटी-बड़ी समस्याओं का सामना कभी न कभी प्रायः हम सभी को करना पड़ता है लेकिन ज्यादातर लोग ऐसे मामलों में दुकानदार या सेवा प्रदाता को कोसते हुए मन ही मन कुढ़ते रहते हैं या दूसरों के सामने बड़बड़ाकर अपने दिल की भड़ास भी निकाल लेते हैं किन्तु जागरूकता के अभाव में अपने अधिकारों की लड़ाई नहीं लड़ते। इसका बड़ा कारण यही है कि हमारे देश की बहुत बड़ी आबादी अशिक्षित है, जो अपने अधिकारों और कर्त्तव्यों के प्रति अनभिज्ञ है लेकिन जो शिक्षित लोग हैं, वे भी प्रायः अपने उपभोक्ता अधिकारों के प्रति उदासीन नजर आते हैं किन्तु अब जमाना बदल गया है। यदि आप एक उपभोक्ता हैं और किसी भी प्रकार के शोषण के शिकार हुए हैं तो अपने अधिकारों की लड़ाई लड़कर न्याय पा सकते हैं। स्पीड पोस्ट द्वारा आवेदन भेजने के बाद भी सही समय पर आवेदन नहीं पहुंचने पर डाक विभाग की लापरवाही को लेकर रोमा ने उपभोक्ता अदालत का दरवाजा खटखटाया और उसे न्याय भी मिला। चूंकि स्पीड पोस्ट को डाक अधिनियम में एक आवश्यक सेवा माना गया है, अतः उपभोक्ता अदालत ने डाक विभाग को सेवा शर्तों में कमी का दोषी पाया और डाक विभाग को रोमा को मुआवजे के तौर पर एक हजार रुपये देने का आदेश दिया गया। उपभोक्ताओं को शोषण से मुक्ति दिलाने के लिए देश में कई कानून बनाए गए लेकिन 24 दिसम्बर 1986 को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 अस्तित्व में आने के बाद से उपभोक्ताओं को शीघ्र, त्वरित और कम खर्च पर न्याय मिलने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। चूंकि उपभोक्ता कानून 24 दिसम्बर को अस्तित्व में आया था, इसीलिए प्रतिवर्ष इसी दिन 'राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस' मनाया जाता है, जिसका अहम उद्देश्य यही है कि उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जा सके ताकि वे अपने साथ होने वाले किसी भी अन्याय के खिलाफ उपभोक्ता अदालत में आवाज उठा सकें। उपभोक्ता हितों को ज्यादा मजबूती प्रदान करने के लिए 20 जुलाई 2020 को कई नए और महत्वपूर्ण प्रावधानों के साथ नया उपभोक्ता कानून लागू किया जा चुका है। उपभोक्ता संरक्षण कानून का मुख्य उद्देश्य यही है कि उपभोक्ताओं को उनकी इच्छा के अनुरूप उचित मूल्य, गुणवत्ता, शुद्धता, मात्रा एवं मानकों में वस्तुएं उपलब्ध हों। उपभोक्ताओं के हितों के संरक्षण के लिए इस समय देशभर में 500 से भी अधिक जिला उपभोक्ता फोरम हैं तथा प्रत्येक राज्य में एक राज्य उपभोक्ता आयोग है। देशभर में समस्त राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों में राज्य उपभोक्ता आयोग हैं जबकि राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग नई दिल्ली में है। पिछले कुछ वर्षों में ऐसे अनेक मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें उपभोक्ता अदालतों से उपभोक्ताओं को पूरा न्याय मिला है लेकिन आपसे यह अपेक्षा तो होती ही है कि आप अपनी बात अथवा दावे के समर्थन में पर्याप्त सबूत तो पेश करें। अब यह भी जान लें कि उपभोक्ता आखिर है कौन? इस बारे में उपभोक्ता संरक्षण कानून में स्पष्ट है कि हर वो व्यक्ति उपभोक्ता है, जिसने किसी वस्तु या सेवा के क्रय के बदले धन का भुगतान किया है या भुगतान करने का आश्वासन दिया है। ऐसे में किसी भी प्रकार के शोषण या उत्पीड़न के खिलाफ वह अपनी आवाज उठा सकता है तथा क्षतिपूर्ति की मांग कर सकता है। खरीदी गई किसी वस्तु, उत्पाद अथवा सेवा में कमी या उसके कारण होने वाली किसी भी प्रकार की हानि के बदले उपभोक्ताओं को मिला कानूनी संरक्षण ही उपभोक्ता अधिकार है। यदि खरीदी गई किसी वस्तु या सेवा में कोई कमी है या उससे आपको कोई नुकसान हुआ है तो आप उपभोक्ता फोरम में अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम की धारा 14 में स्पष्ट किया गया है कि यदि मामले की सुनवाई के दौरान यह साबित हो जाता है कि वस्तु अथवा सेवा किसी भी प्रकार से दोषपूर्ण है तो उपभोक्ता मंच द्वारा विक्रेता, सेवादाता या निर्माता को यह आदेश दिया जा सकता है कि वह खराब वस्तु को बदले और उसके बदले दूसरी वस्तु दे तथा क्षतिपूर्ति का भी भुगतान करे या फिर ब्याज सहित पूरी कीमत वापस करे। उपभोक्ता अदालतों की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि इनमें लंबी-चौड़ी अदालती कार्रवाई में पड़े बिना ही आसानी से शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। यही नहीं, उपभोक्ता अदालतों से न्याय पाने के लिए न तो किसी प्रकार के अदालती शुल्क की आवश्यकता पड़ती है और मामलों का निपटारा भी शीघ्र होता है।

सू-दोकू नवताल -1998

9					6			
	5	6				1	9	
8		3			7			
			8	5	2		6	4
2	6		9	3	1			
			2			9		1
	1	8				6	4	
			6					5

सू-दोकू -1997 का हल

2	9	5	3	1	4	6	8	7
3	6	1	2	8	7	4	9	5
8	4	7	5	9	6	3	2	1
5	7	4	1	6	2	8	3	9
1	3	6	9	4	8	5	7	2
9	8	2	7	3	5	1	4	6
6	2	8	4	7	1	9	5	3
4	5	3	6	2	9	7	1	8
7	1	9	8	5	3	2	6	4

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-1998

बायें से दायें:-

1. जैकी, सलमान, रंभा, अश्विनी की फिल्म-3
3. नाना पाटेकर, माधुरी की फिल्म-3
6. फिल्म 'इंडियन' में नायक कौन था?-2
7. 'तू प्यार का सागर है' गीतवाली फिल्म-2
8. फिल्म 'लावारिस' में अमिताभ बच्चन के किरदार का या नाम था?-2
9. फिल्म 'घर में राम गली में श्याम' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी?-3
12. 'शहर की लड़की' गीतवाली फिल्म-3
14. 'अंग्रेजी में कहते हैं आई लव यू' गीत वाली फिल्म-3
17. सनी देओल, अमीषा की फिल्म-3
18. हिंदी फिल्मों का पहला 'ही-मैन' किसे कहा जाता है?-4
20. फिल्म 'सपनों का सौदागर' में राजकपूर के साथ नायिका-2
21. फिल्म 'अंत' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी?-2
22. 'मेरे सीने में तेरा दिल धड़के' गीत वाली फिल्म-2
23. सनी, सुनील, शिल्पा की फिल्म-2
24. फिल्म 'दो बदन' के संगीतकार-2
26. फिल्म 'फिजा' में ऋतिक की मां की भूमिका किसने की थी?-2
27. आफताब शिवदासानी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-2
28. 'नी मैं यार मनाना नी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर, राखी की फिल्म-2
30. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला सिन्हा की 'गुस्सा इतना हसीन है तो' गीत वाली फिल्म-3
31. सुनील शेट्टी, पूजा बत्रा की फिल्म-2
33. अक्षय कुमार, सुनील, करिश्मा, सोनाली की 'मैं लड़की का दीवाना' गीत वाली फिल्म-3
34. राजेश, बबीता अभिनीत फिल्म-2

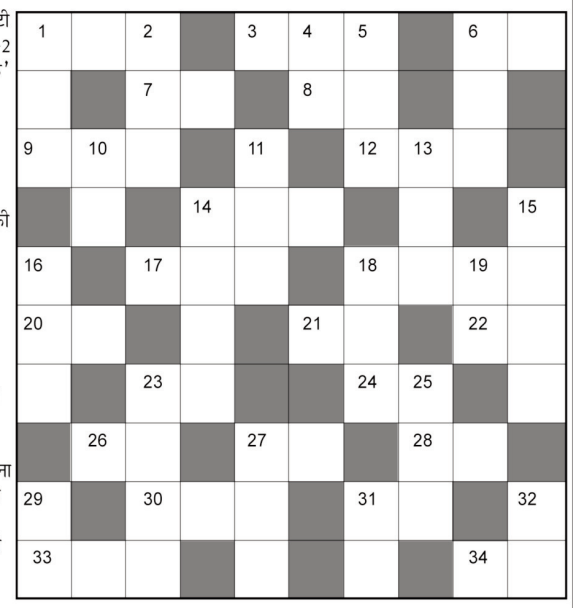

ऊपर से नीचे:-

1. 'ओ जाने वाले हो सके तो लौट के आना' गीत वाली अशोक कुमार, नूतन, की फिल्म-3
2. फिल्म 'कभी कभी' में ऋषि कपूर की नायिका-3
4. फिल्म 'दौलत की जंग' में आमिर खान के साथ नायिका कौन थी?-2
5. ऋषि कपूर, अरबाज, जूही अभिनीत फिल्म-3
6. शत्रुघ्न सिन्हा, पूनम ढिल्लो अभिनीत फिल्म-3
10. अनिल कपूर, श्रीदेवी की 'कभी मैं कहूं कभी तुम कहो' गीत वाली फिल्म-2
11. सुनील शेट्टी, हरीश, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-3
13. 'दिल ना किसी का जाये' गीत वाली फिल्म-3
14. 'मय से मीना से ना साकी से' गीत वाली गोविंदा, नीलम की फिल्म-4
15. बॉबी देओल, अक्षय, करीना, बिपाशा की 'कसम से तेरी आंखें' गीत वाली फिल्म -4
16. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीप कुमार, कल्पना की फिल्म-3
18. अमिताभ, विनोद खन्ना, सायरा बानो की 'तुम भी चलो हम भी चलें' गीत वाली फिल्म-3
19. 'फूल मांगूं ना बहार मांगूं' गीत वाली संजय कपूर, माधुरी दीक्षित की फिल्म-2
23. अजय देवगन, सुनील शेट्टी, संजय कपूर, चंकी पांडे, रिया, रवीना, नेहा की 'ऐतबार नहीं करना' गीत वाली फिल्म-4
25. 'कभी खोले ना तिजोरी का ताला' गीत वाली जीतेंद्र, लीना चंदावरकर की फिल्म-3
27. रंजन, चित्रा, जयश्री गड़कर की 'दिल लूटने वाले जादूगर' गीत वाली फिल्म-3
29. संजय दत्त, अभिषेक जायेद खान, ईशा देओल, राइमा सेन, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-2
31. गोविंदा, जूही चावला की 'आ जाना जरा हाथ बढ़ाना' गीत वाली फिल्म-2
32. 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीत वाली विक्रम, लक्ष्मी फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-1997

अ	न	मो	ल		फि	जा		य	श
पं		ह	व	स		न	गि	स	
ण		ब्ब		नी	ल	म		बॉ	बी
	जी	तें	द्र		ड़		जीं	स	
घा	त			आ	ई	ना			मु
त		आ	वा	ग		ग	जा	जा	नी
क	री	ना		ध		ज			म
	ना		बे	ना	म		मौ		जी
हे		दा	ता		हि	ग	स	त	
मा	या		ब	ल	मा		म		मां

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मोतीलाल ओसवाल की रियल्टी परियोजनाओं में 1,000 करोड़ रुपए निवेश करने की योजना

नई दिल्ली: मोतीलाल ओसवाल समूह की रियल एस्टेट कंपनी मोतीलाल ओसवाल रियल एस्टेट (एमओआरई) ने अगले साल मार्च तक जमीन-जायदाद से जुड़ी परियोजनाओं में 1,000 करोड़ रुपए निवेश करने की योजना बनाई है। एमओआरई ने बुधवार को एक बयान में कहा कि कंपनी ने कोरोना वायरस की शुरुआत के बाद पिछले 18 महीने के दौरान कई परियोजनाओं में कुल 1,200 करोड़ रुपए के निवेश के लिए प्रतिबद्धता जताई है। कंपनी के अनुसार, 'ये निवेश चेन्नई में कासाग्रैंड ग्रुप और रेडियंस रियल्टी, मुंबई में अश्विन शेठ ग्रुप और मैराथन ग्रुप, पूर्वांकरा ग्रुप, श्रीराम प्रॉपर्टीज, पैसिफिक ग्रुप और बैंगलोर में कासाग्रैंड ग्रुप और हैदराबाद में फीनिक्स ग्रुप के साथ किया गया है।' कंपनी नयी परियोजनाओं के तहत इन शहरों में किफायती/मध्यम आय वाले आवासीय खंड में प्लॉट, विला और अपार्टमेंट का निर्माण करेगी। इसमें कुछ व्यावसायिक परियोजनाओं में भी निवेश शामिल है।

एशिया-प्रशांत क्षेत्र में डेटा सेंटर की क्षमता के मामले में मुंबई सबसे ऊपर

मुंबई। मुंबई ने एशिया-प्रशांत क्षेत्र में डेटा सेंटर की क्षमता में सबसे अधिक 24 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। इस साल तीसरी तिमाही में 200 मेगावाट की वृद्धि हुई है, जैसा कि गुरुवार को एक नई रिपोर्ट में दर्शाया गया है। ओटीटी, आईओटी उपकरणों और सोशल मीडिया के जरिए देश में डेटा खपत में भारी वृद्धि हुई है। इंटरनेशनल प्रॉपर्टी कंसल्टेंट्स नाइट फ्रैंक के अनुसार, मुंबई में कुल आईटी क्षमता दूसरी तिमाही में 812 मेगावाट से बढ़कर तीसरी तिमाही में 1,006 मेगावाट हो गई। नाइट फ्रैंक इंडिया के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक शिशिर बैजल ने कहा, मुंबई एपीएसी क्षेत्र में स्थापित शीर्ष डेटा सेंटरों में से एक है। चौथी औद्योगिक क्रांति के बीच डिजिटल परिवर्तन में तेजी आई है, इसलिए डेटा सेंटर जैसे डिजिटल बुनियादी ढांचे की मांग बढ़ना तय है। डेटा सेंटर अनुसंधान और विश्लेषिकी मंच डीसी बाइट के साथ साझेदारी में प्रकाशित रिपोर्ट में कहा गया है कि इस साल की पहली तीन तिमाही में मुंबई में को-लोकेशन की आपूर्ति में काफी वृद्धि हुई है और पहली बार शहर की कुल आईटी क्षमता ने 2021 की तीसरी तिमाही में गीगावाट के निशान (एशिया प्रशांत में शंघाई और टोक्यो के साथ) को पार किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, मुंबई में आईटी बिजली का त्रैमासिक टेक-अप 2021 की दूसरी तिमाही में 2.78 मेगावाट से बढ़कर तीसरी तिमाही में 6.42 मेगावाट हो गया है, जो रिकॉर्ड पर उच्चतम तिमाही टेक-अप है। भारतीय डेटा सेंटर बाजार में इस समय मुंबई, एनसीआर, बेंगलुरु, पुणे, चेन्नई, हैदराबाद और कोलकाता के सात शहरों में अनुमानित 445 मेगावाट महत्वपूर्ण आईटी क्षमता है। रिपोर्ट में कहा गया है, भारत दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाले देशों में से एक है, मोबाइल की बढ़ती पहुंच के साथ-साथ सोशल मीडिया एप्लिकेशन, आईओटी डिवाइस, ओटीटी और गेमिंग प्लेटफॉर्म जैसे डिजिटल माध्यमों के लिए वैश्विक उपयोगकर्ताओं के बढ़ते आधार के साथ-साथ डेटा खपत में भारी वृद्धि हो रही है। भारत में डिजिटल अर्थव्यवस्था के 2025 तक बढ़कर 1 खरब डॉलर होने का अनुमान है। बैजल ने कहा, डेटा सेंटर विकास की इस कहानी का एक अभिन्न हिस्सा है, जिसने महामारी की शुरुआत और उससे जुड़े व्यवधानों के बावजूद अच्छी प्रगति की है।

जनवरी 2022 के लिए 5 स्टैडिया प्रो गेम्स जोड़ रहा है गूगल : रिपोर्ट

सैन फ्रांसिस्को।

गूगल जनवरी 2022 के लिए छह स्टेडिया प्रो गेम्स जोड़कर स्टैडिया गेम्स की लाइब्रेरी का विस्तार कर रहा है। 9टू5गूगल की रिपोर्ट के अनुसार, 1 जनवरी को डार्कसाइडर्स 3 (39.99 डॉलर) से शुरू होने वाले सभी शीर्षक 9.99 डॉलर प्रति माह सदस्यता के साथ आएंगे। द डार्कसाइड डिटेक्टिव द्वारा ए फंबल इन द डार्क (12.99 डॉलर), ब्लडस्टेड~ रिचुअल ऑफ द नाइट (39.99 डॉलर), शांते~ रिस्की रिवेंज-डायरेक्टर्स कट (9.99 डॉलर) और ड्रीमवर्क्स ड्रेगन~ डॉन ऑफ द न्यू राइडर्स (24.99 डॉलर) पीछा किया गया है। आधिकारिक तौर पर इस साल के अंत तक प्लेटफॉर्म पर कम से कम 100 गेम जोड़ने के अपने वादे को पूरा करते हुए गूगल ने कैलेंडर वर्ष 2021 के दौरान पहले ही स्टैडिया में 100 गेम जोड़े हैं। यह स्पष्ट नहीं है कि साल के करीब आने से पहले ब्रांड ने स्टैडिया पर और कितने गेम लॉन्च करने की योजना बनाई है। गूगल अपने लॉन्च के बाद से पिछले दो वर्षों में स्टैडिया में धीरे-धीरे सुविधाओं को जोड़ रहा है, जिसमें हाल ही में हैलो इंजीनियर के लिए 30 मिनट का नया गेम ट्रायल भी शामिल है। टेक दिग्गज स्टैडिया खिलाड़ियों को बिना किसी आमंत्रण के मल्टीप्लेयर गेम में शामिल होने की अनुमति दे रहा है। यह बुनियादी सुविधा अधिकांश कंसोल प्लेटफॉर्म और पीसी लॉन्चर पर उपलब्ध है, लेकिन इसे स्टैडिया में जोड़ने में गूगल को लगभग दो साल लग गए हैं। इस बीच, गूगल ने अपने इन-हाउस स्टैडिया गेम डेवलपमेंट डिवीजन को बंद करने की घोषणा की है, क्योंकि यह विश्व स्तरीय गेम बनाने के लिए तीसरे पक्ष के डेवलपर्स और प्रकाशकों द्वारा अपनी तकनीक को अपनाने के लिए देखता है। गूगल ने कहा कि वह अपनी आंतरिक विकास टीम एसजी एंड ई से किसी भी निकट-अवधि के नियोजित खेलों से परे विशेष सामग्री लाने में और निवेश नहीं करेगा।

ओमीक्रॉन संबंधी चिंताओं के कारण प्रभावित हो सकती है यात्री वाहनों की आपूर्तिः फाडा

नई दिल्ली: वाहन डीलरों के संगठन फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) ने बृहस्पतिवार को कहा कि कोरोनो वायरस के ओमीक्रॉन स्वरूप के कारण यदि उन देशों में लॉकडाउन लगता है जहां पर चिप बनाई जाती है तो यात्री वाहनों की आपूर्ति और भी प्रभावित हो सकती है। हालांकि फाडा ने यह उम्मीद भी जताई कि अगले वर्ष की दूसरी छमाही तक सेमीकंडक्टर की कमी से नहीं जूझना पड़ेगा। फाडा के अध्यक्ष विनकेश गुलाटी ने एक बयान में कहा, 'ओमीक्रॉन के बढ़ते मामलों से दुनियाभर में फिर से डर का माहौल बन गया है। यदि चिप निर्माता देशों में लॉकडाउन लग जाता है तो इससे यात्री वाहनों की आपूर्ति और भी प्रभावित हो सकती है।' फाडा ने अनुमान जताया कि 2022 की दूसरी छमाही में आपूर्ति और मांग धीरे-धीरे सामान्य हो जाएंगे। गुलाटी ने कहा, 'कोविड खत्म हो जाता है तब भी वाहन उद्योग में पूरी तरह से पुनरुद्धार 2023 तक ही हो सकता है और यह कोविड से पहले के स्तरों पर पहुंच सकता है।'

एशिया-प्रशांत क्षेत्र में डेटा सेंटर की क्षमता के मामले में मुंबई सबसे ऊपर

मुंबई। मुंबई ने एशिया-प्रशांत क्षेत्र में डेटा सेंटर की क्षमता में सबसे अधिक 24 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। इस साल तीसरी तिमाही में 200 मेगावाट की वृद्धि हुई है, जैसा कि गुरुवार को एक नई रिपोर्ट में दर्शाया गया है। ओटीटी, आईओटी उपकरणों और सोशल मीडिया के जरिए देश में डेटा खपत में भारी वृद्धि हुई है। इंटरनेशनल प्रॉपर्टी कंसल्टेंट्स नाइट फ्रैंक के अनुसार, मुंबई में कुल आईटी क्षमता दूसरी तिमाही में 812 मेगावाट से बढ़कर तीसरी तिमाही में 1,006 मेगावाट हो गई। नाइट फ्रैंक इंडिया के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक शिशिर बैजल ने कहा, मुंबई एपीएसी क्षेत्र में स्थापित शीर्ष डेटा सेंटरों में से एक है। चौथी औद्योगिक क्रांति के बीच डिजिटल परिवर्तन में तेजी आई है, इसलिए डेटा सेंटर जैसे डिजिटल बुनियादी ढांचे की मांग बढ़ना तय है। डेटा सेंटर अनुसंधान और विश्लेषिकी मंच डीसी बाइट के साथ साझेदारी में प्रकाशित रिपोर्ट में कहा गया है कि इस साल की पहली तीन तिमाही में मुंबई में को-लोकेशन की आपूर्ति में काफी वृद्धि हुई है और पहली बार शहर की कुल आईटी क्षमता ने 2021 की तीसरी तिमाही में गीगावाट के निशान (एशिया प्रशांत में शंघाई और टोक्यो के साथ) को पार किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, मुंबई में आईटी बिजली का त्रैमासिक टेक-अप 2021 की दूसरी तिमाही में 2.78 मेगावाट से बढ़कर तीसरी तिमाही में 6.42 मेगावाट हो गया है, जो रिकॉर्ड पर उच्चतम तिमाही टेक-अप है। भारतीय डेटा सेंटर बाजार में इस समय मुंबई, एनसीआर, बेंगलुरु, पुणे, चेन्नई, हैदराबाद और कोलकाता के सात शहरों में अनुमानित 445 मेगावाट महत्वपूर्ण आईटी क्षमता है। रिपोर्ट में कहा गया है, भारत दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाले देशों में से एक है, मोबाइल की बढ़ती पहुंच के साथ-साथ सोशल मीडिया एप्लिकेशन, आईओटी डिवाइस, ओटीटी और गेमिंग प्लेटफॉर्म जैसे डिजिटल माध्यमों के लिए वैश्विक उपयोगकर्ताओं के बढ़ते आधार के साथ-साथ डेटा खपत में भारी वृद्धि हो रही है।

नए साल में Hero मोटोकॉर्प और फॉक्सवैगन के वाहन खरीदना होगा महंगा, कंपनियों ने किया ऐलान

बिजनेस डेस्क:

देश की सबसे बड़ी टू-व्हीलर कंपनी हीरो मोटोकॉर्प ने नए साल में अपने दोपहिया वाहनों की कीमतें बढ़ाने का ऐलान किया है। कंपनी ने गुरुवार को बताया कि वह 4 जनवरी, 2022 से अपने दोपहिया वाहनों के दाम बढ़ाएगी। हीरो मोटोकॉर्प ने गुरुवार को शेयर बाजारों को भेजी सूचना में बताया कि 4 जनवरी से उसके दोपहिया वाहनों की एक्स-शोरूम कीमतें 2,000 रुपए तक बढ़ जाएंगी। कंपनी ने कहा कि कमोडिटी की बढ़ती लागत के कारण कीमतों में बढ़ोतरी आवश्यक हो गई थी। हीरो मोटोकॉर्प ने यह भी कहा कि बढ़ोतरी की मात्रा मॉडल और बाजार पर तय होगा। कंपनी ने एक बयान में कहा, ÷हीरो मोटोकॉर्प 4 जनवरी, 2022 से अपनी मोटरसाइकिलों और स्कूटरों की एक्स-शोरूम कीमतों में बढ़ोतरी करने जा रही है। कमोडिटी की कीमतों बढ़ने से लागत बढ़ गई है, जिसके असर को आंशिक रूप से कम करने के लिए कीमतों में बढ़ोतरी आवश्यक हो गया है। बता दें कि पिछले छह महीनों में हीरो मोटोकॉर्प के दोपहिया वाहनों की कीमतों में यह तीसरी बढ़ोतरी होगी। कंपनी ने इससे पहले 1 जुलाई को अपनी मोटरसाइकिलों और स्कूटरों की एक्स-शोरूम कीमतों में 3,000 रुपए तक की बढ़ोतरी की थी। इसके बाद 20 सितंबर को भी इसमें 3,000 रुपए तक की बढ़ोतरी हुई थी।

फॉक्सवैगन जनवरी से बढ़ाएंगी वाहनों के दाम

इसी तरह, फॉक्सवैगन पैसेंजर कार्स इंडिया ने घोषणा की कि वह बढ़ती कच्चा माल और परिचालन लागत के कारण एक जनवरी, 2022 से पोलो, वेंटो और ताइगुन की कीमतों में बढ़ोतरी करेगी। मूल्य वृद्धि कार के मॉडल और संस्करण के आधार पर 2-5 प्रतिशत के बीच होगी। पिछले एक साल में कच्चे माल जैसे इस्पात, एल्युमीनियम, तांबा और कीमती धातुओं की कीमतों में लगातार वृद्धि हुई है, जिससे मोटर वाहन विनिर्माताओं को मॉडल की कीमतें बढ़ाने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

सेंसेक्स 385 अंक उछला, निफ्टी फिर से 17,000 के स्तर पर पहुंचा

बिजनेस डेस्क:

घरेलू शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन तेजी रही और बीएसई सेंसेक्स बृहस्पतिवार को 385 अंक की बढ़त के साथ बंद हुआ। वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुख के बीच सूचकांक में मजबूत दखल रखने वाली इन्फोसिस, आईटीसी और एचडीएफसी में तेजी के साथ बाजार में मजबूती आई। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 384.72 अंक यानी 0.68 प्रतिशत की बढ़त के साथ 57,315.28 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, एनएसई निफ्टी 117.15 अंक यानी 0.69 प्रतिशत उछलकर 17,072.60 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में करीब चार प्रतिशत की तेजी के साथ पावरग्रिड सर्वाधिक लाभ में रही। इसके अलावा आईटीसी, बजाज फाइनेंस, इन्फोसिस, एनटीपीसी और टेक महिंद्रा भी लाभ में रहे। दूसरी तरफ नुकसान में रहने वाले शेयरों में भारती एयरटेल, सन फार्मा, मारुति और अल्ट्राट्रेक सीमेंट शामिल हैं। आनंद राठी कंपनी के इक्विटी शोध प्रमुख (बुनियादी) नरेंद्र सोलंकी ने कहा, ''एशिया के अन्य बाजारों में सकारात्मक रुख के साथ घरेलू बाजारों में शुरुआत अच्छी रही। डेल्टा के मुकाबले ओमीक्रॉन स्वरूप से संक्रमित लोगों के गंभीर रुप से बीमार पड़ने और अस्पताल में भर्ती होने को लेकर जोखिम कम होने के अध्ययन का निवेशकों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा।'' उन्होंने कहा कि दोपहर कारोबार में भी बाजार में मजबूती बनी रही। इक्रा की रिपोर्ट से भी बाजार को समर्थन मिला। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीनी, उर्वरक और डेयरी क्षेत्रों की लाभदायक स्थिति 2021-22 में स्थिर रहेगी। एशिया के अन्य बाजारों में चीन में शंघाई कंपोजिट सूचकांक, हांगकांग का हैंगसेंग, जापान का निक्की और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी लाभ में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में भी दोपहर कारोबार में सकारात्मक रुख था। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.08 प्रतिशत फिसलकर 75.22 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

फेम दो योजना में बदलाव के बाद इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री बढ़ीः सरकार

नई दिल्ली।

भारी उद्योग मंत्रालय का कहना है` कि इस साल जून में फेम दो योजना में बदलाव के बाद इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की बिक्री प्रति सप्ताह 700 प्रतिशत बढ़कर 5,000 इकाई हो गई है। इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाने और विनिर्माण की योजना (फेम) का दूसरा चरण इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की मांग को बढ़ावा देने के लिए 10,000 करोड़ रुपए के खर्च के साथ शुरू की गई है। इस योजना को विशेष रूप से कोरोना वायरस महामारी के दौरान अनुभव और उद्योग तथा उपयोगकर्ताओं से प्रतिक्रिया के आधार पर जून 2021 में नया रुप दिया गया था। दिल्ली-मुंबई में भी बढ़ने लगे कोरोना के मामले संशोधित योजना का उद्देश्य शुरूआती लागत को कम करके इलेक्ट्रिक वाहनों का तेजी से बढ़ावा देना है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा` कि जून 2021 में फेम दो योजना में बदलाव के बाद बिजली से चलने वाले दो पहिया वाहनों की बिक्री प्रति सप्ताह 700 प्रतिशत बढ़कर पांच हजार वाहन हो गई है।

अदाणी ने सामाजिक उद्यम के लिए वार्षिक पुरस्कार की घोषणा की

नई दिल्ली।

भारत का सबसे तेजी से बढ़ता कंपनियों का पोर्टफोलियो अदाणी समूह सामाजिक उद्यम के लिए अदाणी पुरस्कार शुरू करेगा जो सामाजिक क्षेत्र में भारत का सबसे बड़ा वार्षिक पुरस्कार है। अदाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अदाणी ने पहली बार ग्रीन टॉक्स में यह घोषणा की। यह सामाजिक उद्यमियों को उनके विचार प्रस्तुत करने और उनके काम को समर्थन देने के लिए अदाणी टॉक-सीरीज की एक पहल है। अदाणी पुरस्कार 2022 से शुरू होगा। सामाजिक उद्यम के लिए यह पुरस्कार भारत और विकासशील दुनिया के अन्य हिस्सों में उनके प्रभाव के लिए पांच उत्कृष्ट सामाजिक उद्यमियों को प्रदान किया जाएगा। अदाणी पुरस्कार पांच चुने हुए सामाजिक उद्यमों के लिए कुल 5 करोड़ रुपये का वित्तपोषण प्रदान करेगा। विजेताओं का चयन विज्ञान, व्यवसाय और शासन सहित विशेषज्ञता के विभिन्न क्षेत्रों से प्रतिष्ठित हस्तियों के एक अंतर्राष्ट्रीय पैनल द्वारा किया जाएगा। अदाणी ने कहा, मैं इस बात से अभिभूत हूं कि कैसे सामाजिक उद्यमी कम विशेषाधिकार प्राप्त लोगों की मदद करने के कठिन, लेकिन आवश्यक काम के लिए खुद को समर्पित करते हैं। उन्होंने कहा, जबकि हमें हरित, कम कार्बन वाली दुनिया में लोगों के सामाजिक उत्थान को सक्षम बनाने की योजनाओं पर भारी निवेश करना चाहिए। इस ग्रह के लिए रिकवरी का ग्रीन शूट तभी संभव है, जब हम दुनिया के सामाजिक रूप से वंचित लोगों के लिए भी सचमुच विश्वास और आशावाद का माहौल बनाएं। मुझे आशा है कि अदाणी पुरस्कार और ग्रीन टॉक्स श्रृंखला सामाजिक उद्यमियों की खोज की इस प्रक्रिया की नींव रखेगी। ये सामाजिक उद्यमों पर प्रमुख प्रभाव डाल रहे हैं और अपने सर्वोत्तम विचारों के लिए फंड देने में मदद कर रहे हैं। अदाणी समूह कॉर्पोरेट सहित अन्य भागीदारों को सामाजिक उद्यमों के लिए एक सहयोगी कोष

बनाने की पहल में शामिल होने के लिए आमंत्रित करेगा, जो सामाजिक उत्थान परियोजनाओं की संख्या का विस्तार करने में मदद करेगा, जिन्हें वित्तपोषित किया जा सकता है। पहले कदम के रूप में, समूह विकासशील दुनियाभर में सामाजिक उद्यमों के सर्वोत्तम विचारों के लिए एक एकीकृत बल के रूप में ओपन-सोर्स इनोवेशन प्लेटफॉर्म चलाएगा। अक्टूबर में 2021 टीआईई सस्टेनेबिलिटी समिट में भाग लेने वाले 25,000 से अधिक सामाजिक उद्यमों में से चुने गए पांच सामाजिक उद्यमियों को गुरुवार को अहमदाबाद में अदाणी ग्रीन टॉक्स में सम्मानित किया गया।

भविष्य में इंटेल मैक्स लॉन्च करेगा एप्पल : रिपोर्ट

सैन फ्रांसिस्को।

एम1 मैक्स और एम1 प्रो चिप्स की सफलता के बाद, एक नई रिपोर्ट ने सुझाव दिया है कि एप्पल के पास अभी भी एक आखिरी इंटेल-संचालित मैक पाइपलाइन में है, जिसके अगले साल लॉन्च होने की उम्मीद है। मैकरियूमर्स की रिपोर्ट के अनुसार, इंटेल-आधारित मैक प्रो के लिए, कोई डेस्कटॉप से इंटेल के जीऑन स्केलेबल प्रोसेसर की सुविधा की उम्मीद कर सकता है, जो इंटेल का कहना है कि उन्नत प्रदर्शन, सुरक्षा और आईओटी वर्कलोड और अधिक शक्तिशाली एआई को संभालने के लिए अंतर्निहित एआई एक्सीलेरेशन है।मैक प्रो के लिए एप्पल इंटेल के साथ जारी रह सकता है, यह तथ्य है कि जब डेस्कटॉप-क्लासकंप्यूटिंग कार्यों की बात आती है तो फर्म अपने इन-हाउस सिलिकॉन के बारे में आश्वस्त नहीं हो सकती है। जो लोग अनजान हैं, उनके लिए एप्पल सिलिकॉन चिप्स इंटेल-आधारित मैक की तुलना में पूरी तरह से अलग आर्टिक्चर पर चलते हैं। एप्पल सिलिकॉन मैक पर, एप्पल सिलिकॉन पर चलने के लिए इंटेल कंप्यूटरों के लिए बनाए गए ऐप्स का स्वचालित और निर्बाध रूप से अनुवाद करने के लिए एप्पल रोसेटा 2 का उपयोग करता है। एप्पल कथित तौर पर अगले साल एक नया मैकबुक एयर लॉन्च करने की योजना बना रहा है जो नेक्स्ट जनरेशन के एम2 चिप का उपयोग करेगा।इसके एम1 प्रो और एम1 मैक्स जितना शक्तिशाली होने की उम्मीद नहीं है क्योंकि इसका उद्देश्य कम-शक्ति वाले उपकरणों के लिए होगा। आने वाले मैकबुक एयर मॉडल में एक डिजाइन होगा जो नए मैकबुक प्रो के लिए काफी समान होगा, लेकिन पतले बॉडी, ऑफ-व्हाइट बेजल्स और बिना वेज आकार के यह 24 इंच के आईमैक के समान रंग विकल्पों में आएगा।

मसाला उत्पादन में भारत की बड़ी छलांग, 7 साल में 107 लाख टन के रिकॉर्ड स्तर पर

बिजनेस डेस्क:

भारत ने मसाला उत्पादन में बड़ी छलांग लगाई है। देश में मसाला उत्पादन वर्ष 2014-15 के 67.64 लाख टन से बढ़कर वर्ष 2020-21 में 60 प्रतिशत वृद्धि के साथ करीब 107 लाख टन के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गया है। यही नहीं भारतीय मसालों की धाक पूरी दुनिया में बढ़ रही है। विदेशी रसोई में भारतीय मसालों की खुशबू का जलवा कायम है। इसकी वजह से एक्सपोर्ट लगभग दोगुना हो गया है। इस साल 29,535 करोड़ रुपए का मसाला एक्सपोर्ट किया गया। विशेष रूप से कोरोना महामारी काल में मसालों को स्वास्थ्य पूरक के रूप में मान्यता मिलने के कारण मसालों की मांग में जबरदस्त वृद्धि हुई है। इसमें हल्दी, अदरक, जीरा, मिर्च आदि मसालों के बढ़ते निर्यात में स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है।सुपारी और मसाला विकास निदेशालय द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'स्पाइस स्टैटिस्टिक्स एट ए ग्लांस 2021' में मसालों के प्रोडक्शन और एक्सपोर्ट का पूरा विवरण दिया गया है। इसका विमोचन केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने किया है। मिर्च, अदरक, हल्दी, जीरा आदि प्रमुख मसालों के उत्पादन में शानदार वृद्धि हुई है। मसालों के एक्सपोर्ट से 2014-15 में 14,899 करोड़ रुपए मिले थे, जो अब 2020-21 में यह लगभग दो गुना बढ़कर 29,535 करोड़ रुपए हो गया है। इस पुस्तक में बताया गया है कि 2014-15 से 2020-21 के दौरान मसालों के प्रोडक्शन में 7.9 फीसदी की वार्षिक वृद्धि दर रही है। यह वृद्धि मसाला फसलों का क्षेत्र 32.24 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 45.28 लाख हेक्टेयर होने की वजह से हुई है। जीरा उत्पादन में 14.8, लहसुन में 14.7, अदरक में 7.5, सौंफ में 6.8, धनिया में 6.2, मैथी में 5.8, लाल मिर्च में 4.2, और हल्दी में 1.3 की महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। विश्व के मसाला उत्पादन में भारत का महत्वपूर्ण स्थान है। कई तरह की जलवायु के कारण देश में लगभग सभी तरह के मसालों का अच्छा उत्पादन हो रहा है।

कितना हुआ एक्सपोर्ट?

केंद्रीय कृषि मंत्रालय के अधिकारियों के मुताबिक उत्पादन में तीव्र वृद्धि से एक्सपोर्ट के लिए गुणवत्तापूर्ण मसालों की उपलब्धता हुई है। यह मसालों के निर्यात की वृद्धि में पता भी चल रहा है। साल 2014-15 में 8.94 लाख टन मसालों का एक्सपोर्ट किया गया था। यह 2020-21 में बढ़कर 16 लाख टन हो गया।

अगले वित्त वर्ष में 470 अरब डॉलर के निर्यात का अनुमानः फियो

बिजनेस डेस्क:

चालू वित्त वर्ष में देश के निर्यात के 400 अरब डॉलर के स्तर को पार करने का अनुमान जताते हुए भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) ने अगले वित्त वर्ष में निर्यात के 470 अरब डॉलर पर पहुंचने की उम्मीद जताई है। फियो के अध्यक्ष डॉ ए शक्तिवेल ने आज कहा कि वित वर्ष 2021-22 के 400 अरब डॉलर के वस्तु व्यापार के साथ समाप्त होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि ऐसा इसलिए होगा क्योंकि पिछले वर्ष के विपरीत, यह वित वर्ष 2022-23 के लिए एक उच्च आधार पर होगा। इस प्रकार, ऐसे आंकड़ों पर 30-35 प्रतिशत की निर्यात वृद्धि कठिन होगी, विशेष रूप से अतिरिक्त निर्यातों को क्षमता बढ़ाने की आवश्यकता भी हो सकती है। वस्तुओं की उच्च कीमतों से उत्साहित होने के कारण वैश्विक व्यापार में लगभग 22 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई लेकिन अगले वर्ष हमारे निर्यातों को राहत उपलब्ध कराने के लिए, वैसी अनुकूल सहायता नहीं प्राप्त होगी। बहरहाल, इसी के साथ साथ, चूंकि वैश्विक व्यापार में हमारा हिस्सा अभी भी 2 प्रतिशत से कम है, हमें अभी लंबी दूरी तय करनी है। डॉ शक्तिवेल ने कहा कि बहुत कुछ इस बात पर निर्भर करेगा कि क्या हम दुनिया भर में बड़े पैमाने पर टीकाकरण के जरिए कोविड-19 को नियंत्रित करने में सक्षम होंगे और आवश्यक क्षमता का निर्माण कर सकने में समर्थ होंगे जो यह निर्णय करेगा कि हमें अगले वित्तीय वर्ष के लिए 15-20 प्रतिशत की वृद्धि या और अधिक की उम्मीद करनी चाहिए। फियो अध्यक्ष ने दोहराया कि नए वेरिएंटों के उभरने तथा इस समय आपूर्ति पक्ष के चुनौतियों को देखते हुए थोड़ा संकीर्णवादी होना चाहिए और अगले वित्त वर्ष के दौरान 460-475 अरब डॉलर के निर्यात का लक्ष्य निर्धारित किया जाना चाहिए। फियो अध्यक्ष ने कहा ''हम उम्मीद करते हैं कि अगर महामारी नियंत्रित रही तो 2022 में वैश्विक उपभोग में उल्लेखनीय रूप से वृद्धि होगी। हमारे निर्यात के साथ अच्छी बात यह है कि चालू वित्त वर्ष के दौरान पारंपरिक निर्यातों तथा निर्यात के उभरते क्षेत्रों, दोनों क्षेत्रों में ही हमारा निर्यात बहुत संतुलित रहा है।

हमें उम्मीद है कि यही रुझान जारी रहेगा क्योंकि सभी निर्यातकों की ऑडर्र बुकिंग बेहद उत्साहजनक रही है और वैश्विक कंपनियों की चीन प्लस वन की नीति निश्चित रूप से हमारे निर्यातों की सहायता कर रही है।

रवि शास्त्री ने दिया बड़ा बयान- भारत द. अफ्रीका में सीरीज जीतने का माद्दा रखती है

मुंबई (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री का मानना है कि दक्षिण अफ्रीका को उसकी धरती पर हराना कभी आसान नहीं रहा लेकिन विराट कोहली की अगुवाई वाली भारतीय टीम रविवार से शुरू हो रही तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला में जीत दर्ज करने का माद्दा रखती है। शास्त्री का कार्यकाल हाल में टी20 विश्व कप के साथ समाप्त हो गया था। उन्होंने कहा कि वह हमेशा भारतीय टीम का समर्थन जारी रखेंगे।

शास्त्री ने आगामी श्रृंखला के बारे में कहा कि भारतीय टीम के पास अपनी काबिलियत साबित करने का इससे बेहतर समय नहीं हो सकता था। विराट (कोहली) बेहतरीन कप्तान हैं और उनके पास एक प्रतिभाशाली टीम है। दक्षिण अफ्रीका में हम अभी तक श्रृंखला नहीं जीत पाए हैं। यह याद रखना जरूरी है कि दक्षिण अफ्रीका को उसकी धरती पर हराना आसान नहीं है लेकिन हमारे पास पर्याप्त संसाधन हैं। हमेशा की तरह भारतीय टीम को मेरा पूरा समर्थन रहेगा।

पहला टेस्ट सेंचुरियन के सुपरस्पोर्ट पार्क में खेला जाएगा। दूसरा और तीसरा टेस्ट क्रमशः जोहानिसबर्ग और केपटाउन में खेले जाएंगे। उसके बाद तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला होगी। भारत ने 1992 में डरबन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना पहला टेस्ट मैच खेला था जबकि हाल में शास्त्री की जगह मुख्य कोच का पद संभालने वाले राहुल द्रविड़ के नेतृत्व में टीम ने 2006 में वहां अपना पहला टेस्ट जीता था।

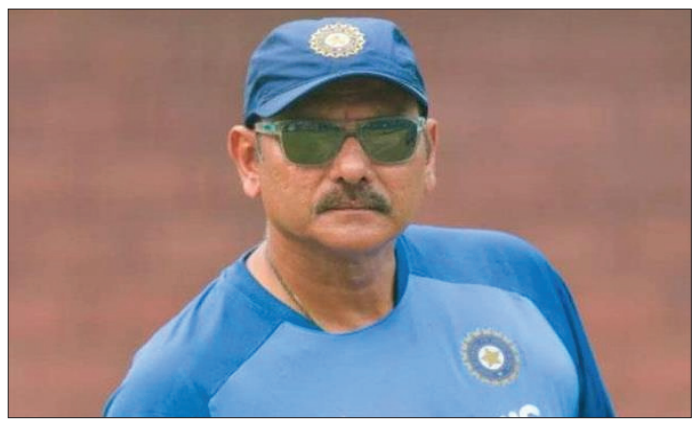

एनिटिनी का बड़ा बयान- हमारी पकड़ मजबूत, भारत नहीं हरा पाएगा द. अफ्रीका को टेस्ट सीरीज

जोहानिसबर्ग (एजेंसी)।

भारत अभी तक दक्षिण अफ्रीका में कोई टेस्ट सीरीज नहीं जीत पाया है। पर कई पूर्व खिलाड़ियों को लगता है कि भारत के पास अब सुनहरा मौका है कि वह दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट सीरीज जीत सकता है। वहीं दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज मखाया एनटिनी को ऐसा नहीं लगता कि भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका में अपनी पहली टेस्ट श्रृंखला जीत पाएगी। पहला टेस्ट सेंचुरियन में 26 दिसंबर से शुरू होगा।

भारत को इस बार दक्षिण अफ्रीका में पहली सफलता हासिल करने का दावेदार माना जा रहा है जिसे 2018 में 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था। उस टीम में अब संन्यास ले चुके एबी डिविलियर्स, फाफ डु प्लेसिस, हाशिम अमला, वर्नोन फिलैंडर और डेल स्टेन शामिल थे। एनटिनी भारत के खिलाफ 2001 और 2006-07 घरेलू श्रृंखला में खेले थे।

उन्होंने कहा कि भारत का गेंदबाजी आक्रमण इस बार काफी अच्छा है लेकिन दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी अपनी घरेलू परिस्थितियों को बेहतर जानते हैं। मुझे लगता है कि यह अहम होगा। हमें खुद का समर्थन करना होगा क्योंकि हमारे पास घरेलू मैदानों पर खेलने का फायदा है। हमारे खिलाड़ी विकेट को बखूबी जानते हैं और इससे हमें उन पर बढ़त मिलेगी। वहीं डोनाल्ड ने कहा कि जो टीम बेहतर बल्लेबाजी करेगी, वही श्रृंखला जीतेगी।

उन्होंने भारत के खिलाफ 1992-93 श्रृंखला में अहम भूमिका निभाई थी और साथ ही घरेलू सरजमीं पर 1996-97 में श्रृंखला में मिली जीत में भी। उन्होंने कहा कि दोनों टीमों का लाइन-अप बहुत अच्छा है, दोनों की गेंदबाजी बहुत मजबूत है और इसका मतलब है कि दोनों टीमों की बल्लेबाजी की परीक्षा होगी।

वीवो प्रो कबड्डी लीग सीजन-8

यू मुम्बा ने सीजन ओपनर में बेंगलुरू बुल्स को 46-30 से हराया

बेंगलुरू (एजेंसी)।

वीवो प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन-8 के पहले और रोमांचक मुकाबले में यू मुम्बा ने बेंगलुरू बुल्स को 46-30 के अंतर से हरा दिया। शेरेटन ग्रैंड होटल में बायो सिक्योर बबल में जारी इस सीजन का पहला मैच उतार चढ़ाव से भरा रहा। यू मुम्बा ने हालांकि अपने स्टार रेडर अभिषेक सिंह के 19 अंकों और अपने डिफेंडरों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत अंततः बड़े अंतर से जीत हासिल की।

इस मैच में अभिषेक ने कुल 19 अंक हासिल किए। बुल्स के लिए उसके कप्तान पवन सेहरावत ने 12 अंक तथा चंद्रन रंजीत ने 12 अंक हासिल किए लेकिन डिफेंस की नाकामी के कारण वे अपनी टीम को हार से नहीं बचा सके। बुल्स इस मैच में तीन बार आल आउट हुए। पवन इस मैच में पांच बार आउट किए गए जबकि इस मैच में अंतर पैदा करने वाले अभिषेक सिर्फ दो नाकाम रेड्स के साथ लौटे। ओलंपिक में भारत के लिए पहले स्वर्ण जीतने वाले एथलीट नीरज चोपड़ा द्वारा राष्ट्रगान के बाद मैच की शुरुआत हुई। हाई फ्लायर पवन ने पहली रेड की। पहली ही रेड में पवन का शिकार कर लिया गया। हरेंद्र कुमार ने सीजन-7 के सबसे चमकते सितारे पवन को बाहर किया। हालांकि वह बोनस हासिल करने में सफल रहे थे। मयूर के टैकल से पवन की वापसी हुई। इसके बाद वह सावधान रहे और तीन बोनस प्वाइंट हासिल किए। हालांकि यू मुम्बा ने उन्हें फिर लपक लिया। आठ मिनट भी नहीं बीते थे कि सीजन 6 की चैम्पियन बेंगलुरू बुल्स को आलआउट कर दिया। स्कोर 11-5 हो चुका था।

एक पारी में 10 भारतीय विकेट लेने वाले ऐजाज पटेल को न्यूजीलैंड टीम ने किया टेस्ट टीम से ड्रॉप

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)।

भारत के खिलाफ मुंबई में दूसरे टेस्ट मैच में एक पारी में सभी 10 विकेट लेकर 'परफेक्ट 10' का अद्भुत कारनामा करने वाले स्पिनर अजाज पटेल को बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के लिये न्यूजीलैंड की टेस्ट टीम में नहीं चुना गया है। पटेल ने भारत की पहली पारी में 119 रन देकर 10 विकेट लिये थे और इस तरह से जिम लेकर और अनिल कुंबले की श्रेणी में शामिल हुए थे।पटेल ने इस मैच में 225 रन देकर 14 विकेट लिये लेकिन उनकी टीम मैच नहीं जीत पायी। 47.5 ओवरों में उन्होंने 119 रन देकर 10 विकेट लिए। यही नहीं दूसरी पारी में भी उन्होंने भारतीय टीम के पहले 2 विकेट लिए। ऐसा लग रहा था कि कोई कीवी गेंदबाज इस टेस्ट में विकेट ले ही नहीं पाएगा। दूसरी पारी में उन्होंने 106 रन देकर 4 विकेट लिए। इसके अलावा कानपुर टेस्ट को ड्रॉ कराने में भी ऐजाज पटेल ने अहम भूमिका निभाई थी। 23 गेंदो में 2 रन की अमूल्य पारी ने न्यूजीलैंड को इस हार से बचाया था। अंतिम ओवर भी ऐजाज पटेल ने ही खेला था और घातक रविंद्र जड़ेजा को अपना विकेट लेने से रोका था। इस ऐतिहासिक प्रदर्शन के बावजूद पटेल बांग्लादेश के खिलाफ एक जनवरी से शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिये न्यूजीलैंड की 13 सदस्यीय टीम में जगह नहीं बना पाये।टेस्ट मैच माउंट मौनगानुई के बे ओवल और क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में खेले जाएंगे जहां की पिच तेज गेंदबाजों के अनुकूल मानी जाती है।

पहले ही दिन हुआ टाई, तमिल और तेलुगु टीमें 40 अंक पर रुकी

बेंगलुरू (एजेंसी)।

तेलुगू टाइटंस और तमिल थलाइवाज के बीच बुधवार को शेरेटन ग्रैंड होटल में खेला गया वीवो प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के आठवें सीजन का दूसरा मुकाबला 40- 40 से बराबरी पर रहा। यह इस सीजन का पहला टाई है। साथ ही यह दोनों टीमों के बीच पीकेएल इतिहास का चौथा टाई मुकाबला है। यह मुकाबला शुरुआत से अंत तक रोमांच से भरपूर रहा। दोनों टीमों ने दर्शकों को कई बार रोमांच के समंदर में गोता लगाने के लिए मजबूर किया। हाफ टाइम तक जहां थलाइवाज 23-21 से आगे थे वहीं अंतिम पांच मिनट में टाइटंस ने जबरदस्त वापसी करते हुए 39-38 की लीड ले ली थी।

कांटे की टक्कर में गत विजेता बंगाल ने यूपी को 38-33 से हराया

बेंगलुरू (एजेंसी)।

पीकेएल के आठवें सत्र के उदघाटन वाले दिन खेले गए तीसरे मैच में गत विजेता बंगाल वारियर्स ने यूपी योद्धा को बुधवार रात को कांटे की टक्कर में 38-33 के स्कोर से हराया। बेंगलुरु के शेराटन ग्रैंड, व्हाइटफील्ड होटल में खेले गए मैच में काफी रोमांचक मोड़ आए लेकिन अंत में शानदार खेल दिखाते हुए बंगाल वारियर्स ने बाजी अपने नाम की। टॉस जीत कर बंगाल ने डिफेंड करने का फैसले को सही साबित किया और प्रदीप नरवाल के शुरूआती रेड को रोकने में पूरी तरह से सफल रहे। शुरूआती क्षणों में यूपी योद्धा का डिफेंस बंगाल वारियर्स के अटैक को रोकने में नाकाम रहा और इसी का फायदा उठाते हुए गेम के आठवें मिनट में बंगाल 12-3 के स्कोर के साथ गेम में आगे निकल गया।

11 से 13 फरवरी तक होगी आईपीएल की मेगा नीलामी

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2022 सत्र के लिए मेगा नीलामी अगले साल 11, 12 और 13 फरवरी को बेंगलुरु में हो सकती है। आईपीएल के इस 15वें सत्र के लिए सभी टीमों ने अपने रिटेन (बरकरार रखे) खिलाड़ियों की सूची जारी कर दी है। रिटेन किए खिलाड़ियों की सूची पहले ही जारी कर दी गयी है। इसके अलावा इस बार आईपीएल में दो नई टीमें लखनऊ और अहमदाबाद के आने से टीमों की तादाद बढ़कर दस हो गयी है। ये दो नयी टीमें भी अपने खिलाड़ियों के नामों की भी घोषणा करेंगी। नई टीमों में गोयनका समूह की लखनऊ फ्रेंचाइजी भी शामिल है। सीवीसी ग्रुप को सहमति मिलने के बाद अहमदाबाद के भी इसमें भाग लेने की पुष्टि हो गयी है। आईपीएल का यह सत्र भारत में ही खेला जाएगा।

बीसीसीआई के अनुसार सीवीसी समूह की सहमति मिलने के बाद बीसीसीआई बिना किसी समस्या के आईपीएल के लिए नीलामी आयोजित कर सकता है। नई टीमों में से एक लखनऊ ने हाल ही में जिम्बाब्वे के एंडी फ्लावर को अपना मुख्य कोच बनाया है। इसके अलावा पूर्व बल्लेबाज गौतम गंभीर को टीम का मेंटर नियुक्त किया है। 30 नवंबर को जारी रिटेंशन सूची में कई नाम हैरान कर रहे हैं। इसके अलावा कई ऐसे सीनियर खिलाड़ी भी हैं जो इस बार नीलामी में नजर आ सकते हैं। सुरेश रैना, ड्वेन ब्रावो, हार्दिक पंड्या, कैगिसो रबाडा, बेन स्टोक्स, डेवड वॉर्नर जैसे खिलाड़ियों को इस नीलामी में ज्यादा पैसा मिल सकता है।

रिटेन हुए खिलाडी इस प्रकार हैं

1 रवींद्र जडेजा- 16 करोड़ रुपये
2 रोहित शर्मा- 16 करोड़
3 ऋषभ पंत- 16 करोड़
4 विराट कोहली- 15 करोड़
5 केन विलियमसन-14 करोड़
6 संजू सैमसन- 14 करोड़
7 मयंक अग्रवाल- 12 करोड़
8 जसप्रीत बुमराह- 12 करोड़
9 आंद्रे रसेल- 12 करोड़
10 एमएस धोनी- 12 करोड़
11 ग्लेन मैक्सवेल- 11 करोड़
12 जोस बटलर- 10 करोड़

वेस्टइंडीज के खिलाफ 5 मैचों की टी20आई सीरीज के लिए इंग्लैंड टीम की घोषणा, इन खिलाड़ियों को मिला मौका

स्पोर्ट्स डेस्क। इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज के लिए 16 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। यह सीरीज 22 जनवरी 2022 से शुरू होगी। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर पॉल कॉलिंगवुड इस सीरीज के लिए इंग्लैंड की ओर से मुख्य कोच के रूप में काम करेंगे जिसमें मार्कस ट्रेस्कोथिक सहायक कोच के रूप में काम करेंगे। टीम की अगुवाई इयोन मोर्गन करेंगे। पॉल कॉलिंगवुड ने प्रेस वार्ता में कहा कि ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप से पहले तैयारी शुरू करते हुए हमने कुछ गंभीर बल्लेबाजी शक्ति और संतुलित आक्रमण के साथ एक मजबूत टीम का चयन किया है। विश्व कप में एक साल से भी कम समय बचा है और एशेज टीम में शामिल खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में टीम के लिए अवसर बढ़ेंगे। कॉलिंगवुड ने आगे कहा कि उनके पास वेस्टइंडीज का दौरे की यादें हैं क्योंकि इंग्लैंड ने वर्ष 2009 में बारबाडोस में टी20 विश्व कप जीता था। कॉलिंगवुड ने अंत में कहा कि वेस्टइंडीज की टीम दोनों पक्षों के बीच टी20 इंटरनेशनल सीरीज में इंग्लैंड क्रिकेट टीम का परीक्षण करेगी।

वेस्टइंडीज के खिलाफ इंग्लैंड की टी20 इंटरनेशनल टीम

इयोन मोर्गन (मिडलसेक्स-कप्तान), मोईन अली (वॉस्टरशायर), टॉम बैंटन (समरसेट), सैम बिलिंग्स (केंट), लियाम डॉसन (हैम्पशायर), जॉर्ज गार्टन (ससेक्स), क्रिस जॉर्डन (सरे), लियाम लिविंगस्टोन (लंकाशायर), साकिब महमूद (लंकाशायर), टाइमल मिल्स (ससेक्स), डेविड पायने (ग्लॉस्टरशायर), आदिल राशिद (यॉर्कशायर), जेसन रॉय (सरे), फिल साल्ट (लंकाशायर), रीस टॉपली (सरे), जेम्स विंस (हैम्पशायर)।

शाहिद अफरीदी का खुलासा, बाबर आजम को कप्तान बनाए जाने के पक्ष में नहीं थे

नई दिल्ली (एजेंसी)।

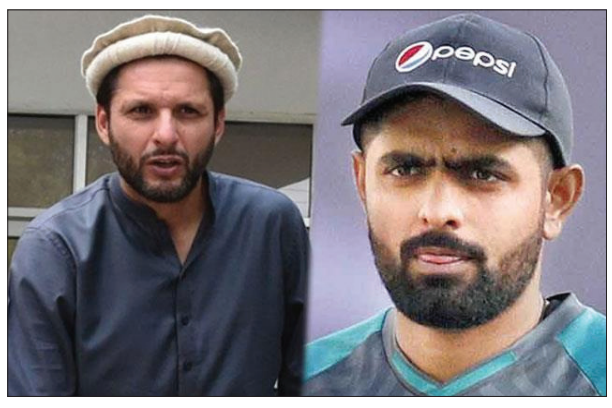

भारत के खिलाफ आईसीसी टी20 विश्व कप में बाबर आजम की कप्तानी में पाकिस्तान ने पहली बार भारत को हराया। बाबर पहले पाकिस्तानी कप्तान हैं जिनकी कप्तानी में पाकिस्तान ने विश्व कप में भारत को मात दी है। हालांकि एक समय ऐसा था जब शाहिद अफरीदी को बाबर आजम पर भरोसा नहीं था और वह उन्हें कप्तान बनाए जाने के पक्ष में नहीं थे।

एक टीवी चैनल से बातचीत के दौरान पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने कहा कि वह आजम के पाकिस्तानी टीम के कप्तान होने के पक्ष में नहीं थे। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी टीम का कप्तान होने के नाते काफी दबाव होता है। अफरीदी ने सोचा था कि दबाव का आजम की बल्लेबाजी पर नकारात्मक असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि मुझे डर था कि बाबर आजम पर बहुत दबाव होगा। पाकिस्तान टीम की कप्तानी कोई मजाक नहीं है। कप्तान होने के नाते मीडिया और खिलाड़ियों को संभालने की जरूरत होती है। कप्तान को पीसीबी और चयन समिति से भी बात करने की जरूरत है। मुझे विश्वास नहीं था कि वह (आजम) टीम का नेतृत्व करने में सक्षम होंगे। लेकिन उन्होंने (कप्तान के रूप में) अपने प्रदर्शन से मुझे गलत साबित कर दिया।

लाहौर कलंदर्स ने पाकिस्तान सुपर लीग के आगामी सीजन के लिए शाहीन अफरीदी को नया कप्तान घोषित किया। वह सोहेल अख्तर की जगह लेंगे जो पिछले दो सत्रों से टीम के कप्तान थे। शाहीन कलंदर्स की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। अफरीदी ने यह भी उल्लेख किया कि उन्होंने पहले शाहीन को पाकिस्तानी टीम या फ्रेंचाइजी का नेतृत्व करने से पहले एक या दो साल इंतजार करने की सलाह दी थी। अफरीदी ने कहा, मैंने शाहीन अफरीदी को कप्तानी स्वीकार करने से पहले एक या दो साल इंतजार करने की सलाह दी थी ताकि वह अपनी गेंदबाजी पर अधिक ध्यान दे सकें लेकिन चूंकि वह भी एक अफरीदी हैं, उन्होंने मेरी बात नहीं मानी।

बांग्लादेश प्रीमियर लीग 21 जनवरी से होगा शुरू, जानें कब खेला जाएगा फाइनल

ढाका। बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) का 2021-22 सीजन 21 जनवरी से शुरू होगा जिसका फाइनल 18 फरवरी को खेला जाएगा। जानकारी के मुताबिक खिलाड़ियों का ड्राफ्ट सोमवार को होगा। बीपीएल खेल के दौरान एक टीम को तीन विदेशी क्रिकेटरों का चयन करना होता है। बीपीएल संचालन परिषद के अध्यक्ष इस्माइल हैदर मल्लिक ने कहा कि बांग्लादेश टूर्नामेंट आयोजित करने के लिए तैयार है और पंजीकृत टीमों को शोपीस इवेंट शुरू होने से पहले भुगतान करना होगा। हैदर मल्लिक के हवाले से एक रिपोर्ट में कहा गया कि बीपीएल को लेकर थोड़ी अनिश्चितता थी। हमें इस पर विचार करना था कि क्या बांग्लादेश की टीम आखिरकार कोविड की स्थिति के कारण न्यूजीलैंड में खेल सकती है। हम बीपीएल आयोजित करने के लिए तैयार थे। उन्होंने कहा, छह टीमों ने पंजीकरण कराया है। हमारे पास उनके लिए कुछ शर्तें हैं - उन्हें भागीदारी के पैसे की गारंटी देनी होगी। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले उन्हें यह भुगतान करना होगा। बीपीएल का मचन ढाका, सिलहट और चट्टोग्राम में तीन स्थानों पर किया जाएगा।

शीर्ष ऑलराउंडर शाकिब अल हसन जल्द ले सकते हैं संन्यास

ढाका (एजेंसी)।

बगंलादेश के स्टार ऑलराउंडर शाकिब अल हसन ने कहा है कि कोरोना महामारी के चलते लागू क्वारंटीन नियमों और उनके परिवार के लिहाज से आगे चलकर क्रिकेट के तीनों प्रारूपों (वनडे, टेस्ट, टी-20) में खेलना जारी रखना उनके लिए के लिए लगभग असंभव है।

व्यक्तिगत कारणों से न्यूजीलैंड के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज से बाहर होने वाले शाकिब ने खुलासा किया कि वह अपने टेस्ट भविष्य को लेकर ठोस विचार कर रहे हैं। शाकिब ने गुरुवार को बंगलादेश के एक निजी टीवी चैनल को दिए बयान में कहा, 'मुझे पता है कि मेरे लिए कौन सा प्रारूप महत्वपूर्ण है और मुझे पता है कि किस प्रारूप को वरीयता मिलनी चाहिए। अब वो समय आ गया है जब मैं टेस्ट क्रिकेट के बारे में सोच रहा हूं कि क्या मैं फिर से टेस्ट खेलूंगा या फिर कभी खेलूंगा भी और खेलूंगा तो कैसे खेलूंगा।'

स्टार ऑलराउंडर ने कहा, 'जब आप 40 से 42 दिनों में दो टेस्ट खेलते हैं तो यह फलदायी नहीं हो सकता है, इसलिए निश्चित रूप से यह चुनिंदा मैच खेलने को प्रोत्साहित करता है। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि मैं टेस्ट से संन्यास ले लूंगा, लेकिन ऐसा हो सकता है कि मैं 2022 विश्व कप के बाद टी-20 नहीं खेलूं और उस समय मैं वनडे और टेस्ट खेल सकता हूं, पर यह तथ्य है कि तीन प्रारूपों को एक साथ जारी रखना लगभग असंभव है।'

34 वर्षीय शाकिब ने कहा कि साल के अंत में बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के साथ बैठेंगे और अपनी भविष्य की योजना तैयार करेंगे। उन्होंने कहा, 'मुझे बीसीबी के साथ इसके बारे में अच्छी तरह से योजना बनानी होगी और ऐसा करने के बाद आगे बढ़ना एक बुद्धिमानी भरा कदम होगा। अगर मैं जनवरी तक योजना बना सकता हूं तो मुझे पता चलेगा कि पूरे साल क्या हो रहा है।'

शाकिब, जो नियमित रूप से विभिन्न फ्रेंचाइजी आधारित टी-20 टूर्नामेंटों में भाग लेते हैं, ने कहा कि क्वारंटीन और बायो-बबल उन पर भारी पड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, 'क्वारंटीन में रहना जेल में रहने जैसा है, लेकिन जेल में कम से कम आप किसी से बात तो कर ही सकते हैं। ऐसा नहीं है कि खिलाड़ी बहुत घूमते हैं जैसे शॉपिंग मॉल या सिनेमा हॉल में बाहर जाना, लेकिन जब आप

मानसिक रूप से जानते हैं कि आप हिल नहीं सकते हैं तो समस्या वहीं से शुरू होती है। न्यूजीलैंड ने मानसिक स्वास्थ्य को देखते हुए अपनी टीम को अंडर-19 विश्व कप में नहीं भेजा। मुझे लगता है कि कोरोना जल्दी खत्म नहीं हो रहा है और हमें इसके साथ रहना है, इसलिए हमें कोई दूसरा रास्ता खोजना होगा। मेरे हिसाब से क्वारंटीन या बायो बबल सबसे अच्छा समाधान नहीं है।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोना से डरो नहीं बस सावधानी बरतो

कोविड–19 से बचाव के लिए दुनियाभर में लगभग 100 वैक्सीन पर काम चल रहा है। लेकिन वैक्सीन कब तक आएगा, कुछ नहीं कहा जा सकता। डेंगू और मलेरिया के वैक्सीन के लिए पिछले कई सालों से प्रयास जारी है। अभी तक का सबसे जल्दी तैयार किया गया वैक्सीन 4 साल में बना है। ज्यादातर वैक्सीन को बाजार तक पहुंचने में 5 से 15 साल का वक्त लग जाता है। ऐसे में कोरोना वैक्सीन के जल्दी से आने की उम्मीद करना बेमानी होगी। कोरोना वैक्सीन के आने तक हाथ पर हाथ धरे बैठा भी नहीं जा सकता है। हमें वायरस से लड़ने का सही तरीका अपनाना होगा। उसके लिए हमें नियमित रूप से मास्क लगाएं, नियमित रूप से सैनिटाइजर–साबुन से हाथ साफ करें, जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकले, भीड़भाड़ वाली जगहों में जाने से बचें, सोशल दूरी अपनाएं इत्यादि। हमें ये सब करना होगा और ऐसा लॉकडाउन हटने के 6–7 महीने बाद या इससे अधिक समय तक भी करते रहना होगा। यह एक तरह की तपस्या है, जो हम सभी को करनी है।

दरअसल, कोविड–19 एक आरएनए वायरस है। ये जल्दी से म्यूटेट यानी रुप बदल लेता है। आमतौर पर देखा गया है कि शुरू में ये अधिक गंभीर लक्षण देता है। लेकिन जैसे–जैसे संक्रमण फैलने लगता है, इसका असर घटने लगता है। इसमें फैलने की ताकत तो बढ़ती है लेकिन लोगों की जान का जोखिम कम हो जाता है। इस तरह के वायरस की गंभीरता धीरे–धीरे घटती है, लेकिन फैलाव अधिक होता है। अगर हम देखें तो सार्स और स्पेनिश फ्लू का खतरा अधिक था। उसमें मृत्युदर भी अधिक थी, क्योंकि उनके लक्षण फैलने के पहले ही दिख जाते थे। उनकी तुलना में कोविड–19 कम गंभीर वायरस है। इसके कई मरीजों में पता नहीं होता कि वे संक्रमित भी है। उनसे भी दूसरों में यह फैल सकता है। यही वजह है कि कोरोनावायरस तेजी से फैल रहा है। वायरस का असर तीन तरीकों से कम होता है। पहला, वायरस इतना म्यूटेट हो जाए जिससे उसकी फैलने की क्षमता खत्म हो जाए। दूसरा, वैक्सीन आ जाए जिससे वायरस के फैलाव को रोका जा सके। और तीसरा, वातावरण में ऐसे बदलाव हो जाए ताकि यह फैले ही नहीं। अगर ये तीनों नहीं होते तो वायरस धीरे–धीरे फैलता रहेगा। 60–70 प्रतिशत आबादी में फैलने पर हर्ड इम्युनिटी विकसित होती है। तब भी असर घटने लगेगा पर इसमें काफी समय लगेगा। हमें लॉकडाउन खत्म होने के बाद भी अपनी आदतों में बदलाव लाकर कोरोना से लड़ा और बचा जा सकता है। जैसे हर छोटी चीज के लिए बाजार न जाएं, एक बार में ही ज्यादा चीजे खरीद लें, भीडभाड़ वाली जगहों से जाने से बचें, बिना मास्क के बाहर न निकलें, बाहर से घर आने पर कपड़े धो लें, जो काम ऑनलाइन हो सकते हैं उसे ऑनलाइन कर लें। खानपान में साफ–सफाई का विशेष ध्यान दें। अभी शुरू के कुछ दिन पब्लिक ट्रांसपोर्ट के इस्तेमाल में सावधानी बरतें। खैर, हमें कोरोना से उतना बेवजह डरने की जरुरत नहीं है, केवल सावधानी बरतने की आवश्यकता है। कोरोना से ग्रस्त काफी मरीज स्वस्थ भी हो रहे हैं।

तनाव–चिंता कम करना ही नहीं

सेहत के लिए इन कारणों से अच्छा है संगीत सुनना

आज के समय में प्रत्येक व्यक्ति को किसी न किसी बात का तनाव या चिंता होती है। कई ऐसे मौके आते हैं जब जीवन में भावनात्मक तनाव भी महसूस करते हैं जो कि एक स्वस्थ संकेत नहीं है। ज्यादा तनाव मानसिक समस्याओं का मूल कारण बन सकता है। बदलती जीवनशैली तनाव का बड़ा कारण है। नींद की कमी से भी मानसिक तनाव पैदा होता है। रिश्तों में खटपट भी इसकी वजह बनती है। रोजाना होने वाली चिंता और तनाव की स्थिति से निपटने के लिए सबसे आसान विकल्पों में से एक है संगीत सुनना।

धीमी गति वाला संगीत तनाव की स्थिति में व्यक्ति के लिए किसी दवा की तरह काम करता है और शांत करने में मदद करता है। वास्तव में संगीत कोर्टिसोल के स्तर को कम करता है और यह तनावग्रस्त मांसपेशियों के आराम को भी बढ़ावा देता है। संगीत के उच्च आवृत्ति वाले और निम्न आवृत्ति वाले साउंड से मस्तिष्क के भीतर बदलाव होता है। तभी तो म्यूजिक थेरेपी के माध्यम से बीमारियों के इलाज में मदद की जाती है। केवल तनाव और चिंता ही नहीं इन वजहों से भी संगीत सुनना अच्छा है।

बेहतर नींद के लिए

नींद न आने की परेशानी है तो संगीत सुनना अच्छा विकल्प है। अनिद्रा से जूझ रहे लोगों के लिए सोते समय सुखदायक संगीत सुनना अच्छा है। अच्छी नींद के लिए तेज शोर वाला संगीत नहीं, बल्कि धीमा या शास्त्रीय संगीत बेहतर रहेगा। यह नर्वस सिस्टम की गतिविधि को कम करता है, मांसपेशियों को आराम देता है, तनाव में राहत देता है जिससे सोने से पहले आने वाले बेमतलब के विचार थम जाते हैं। इसलिए सोने से 30 या 45 मिनट पहले संगीत सुनने की आदत डाल लें।

याद्दाश्त बढ़ाने के लिए

अच्छा संगीत सुनना डोपामाइन को रिलीज करने में मदद करता है जिससे एकाग्रता बढ़ती है। शोधों में संगीत सुनने और मस्तिष्क के विकास के बीच एक मजबूत संबंध पाया गया है। संगीत सीखने वाले बच्चों में मस्तिष्क के विकास और याद्दाश्त बेहतर पाई गई। स्ट्रोक जैसी बीमारी का जोखिम भी कम होता है।

इम्यून सिस्टम की मजबूती के लिए

इम्यूनिटी किसी भी तरह के रोग पैदा करने वाले बैक्टीरिया, वायरस आदि से शरीर को लड़ने की क्षमता देती है। इस पर यकीन करना मुश्किल होगा कि संगीत से इम्यून सिस्टम मजबूत करने में मदद मिलती है, लेकिन संगीत यह कमाल कर दिखाता है।

ब्लड प्रेशर के लिए भी

हाई ब्लड प्रेशर में धीमी गति और लो ब्लड प्रेशर में तेज गति का संगीत लाभ देता है। सुबह–शाम 30 मिनट के लिए अच्छा संगीत सुनने से ब्लड प्रेशर में बहुत सुधार देख सकते हैं।

दिल की सेहत के लिए

संगीत सुनने से दिमाग में एंडोर्फिन्स हार्मोन का स्राव होता है। यह दिल को स्वस्थ रखता है। शोधकर्ताओं की मानें तो गाने के मुकाबले इंस्ट्रूमेंटल संगीत अधिक प्रभावी होता है। रोजाना 30 मिनट पसंदीदा संगीत सुनने से दिल की क्षमता बढ़ती है। इसके अलावा जिन्हें दिल की बीमारी है, उनके लिए भी यह फायदेमंद है

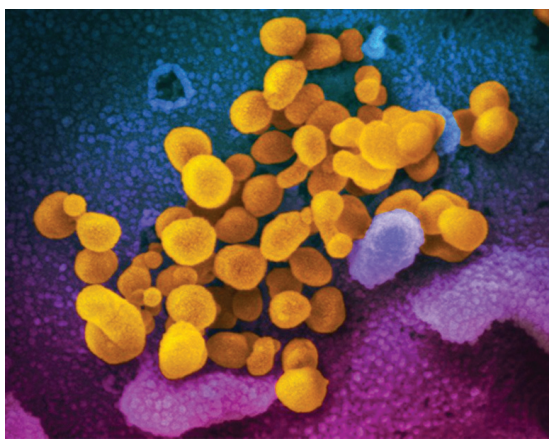

कोरोना के खिलाफ 'कवच' फीफाट्रोल असरदार

वज्ञान व प्रौद्योगिकी मंत्रालय के राष्ट्रीय अनुसंधान एवं विकास निगम (एनआरडीसी) ने वायरस के खिलाफ लड़ने के लिए शरीर को मजबूत और कवच बनाने वाली फीफाट्रोल दवा को कोविड उपचार एवं बचाव तकनीकों में शामिल किया है। इससे पहले अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के डॉक्टर भी अध्ययन के बाद इसे आयुर्वेदिक एंटीबॉयोटिक कहा था। इसके अनुसार एमिल फार्मास्युटिकल के गहन अध्ययन के बाद तैयार दवा फीफाट्रोल में सुदर्शन घन वटी, संजीवनी वटी, गोदांती भस्म, त्रिभुवन कीर्ति रस व मत्युंजय रस जड़ी बूटियां हैं जिनके जरिए यह रोग प्रतिरोधक क्षमता को विकसित करने में सहायक है। कोविड जांच, उपचार और निगरानी तीन बिंदुओं पर केंद्रित एनआरडीसी की रिपोर्ट में बताया गया है कि इस वक्त करीब 13 मोबाइल एप ऐसे हैं जिनके जरिए इस महामारी से जुड़ी सत्य जानकारियां प्राप्त की जा सकती हैं। यह सभी भारतीय एप निशुल्क डाउनलोड किए जा सकते हैं जिसमें आरोग्य सेतु भी शामिल है। इनके अलावा संक्रमण के सर्विलांस को लेकर करीब 22 तकनीकों पर काम चल रहा है। इनके अलावा तकरीबन 31 अध्ययन जांच किट्स को लेकर संचालित हैं। करीब 60 अध्ययन ऐसे हैं जो अस्पतालों में दिए जाने वाले कोविड उपचार पर केंद्रित हैं। आईआईटी रोपड़ ऐसे वार्डबूट का निर्माण कर रहा है जो संबंधित अस्पताल के कंट्रोल रूम से रिमोट द्वारा संचालित होगा और कोविड मरीज को उसके कमरे में जाकर दवा और खाना दे सकेगा। सीएसआईआर ने एनआरडीसी द्वारा तैयार 200 कोविड तकनीकों की इस रिपोर्ट को लांच किया। इसमें कोविड की पहचान करने, जांच करने और उपचार एवं रोकथाम की अनेक तकनीकों को सूचीबद्ध किया गया है। फीफाट्रोल को उपचार एवं रोकथाम तकनीकों की श्रेणी में स्थान दिया गया है।

मास्क पहनने से संक्रमण का खतरा 75 फीसदी तक हो जाता है कम

मास्क पहनने से संक्रमण का खतरा 75 फीसदी तक कम हो जाता है। हांगकांग स्टडीज ट्रांसमिशन की रिसर्च में यह दावा किया गया है। इसके मुताबिक, मॉस्क न पहनने पर अगर आप किसी संक्रमित के संपर्क में आते हैं तो तुरंत वायरस की चपेट में आने का खतरा है। शोधकर्ताओं ने चूहों पर किए अध्ययन में पाया कि मास्क न पहनने वाले दो तिहाई चूहे एक हफ्ते के अंदर संक्रमित हो गए। कुछ को मास्क पहनाकर संक्रमित पिंजरे में रखा गया तो सिर्फ 16 फीसदी को ही संक्रमण हुआ। सिर्फ स्वस्थ चूहों को ही मॉस्क पहनाया तो सिर्फ 33 फीसदी संक्रमित हुए।

एसिम्प्टोमैटिक से भी बचाव– माइक्रोबायोलॉजिस्ट डॉ यूएन क्वाक–युंग के मुताबिक, मास्क पहनने से उन मरीजों से आप बच जाते हैं जिनमें संक्रमण के लक्षण नजर नहीं आते। ऐसे मरीजों को एसिम्प्टोमैटिक कहा जाता है। इतना ही नहीं अगर आप गंभीर रूप से संक्रमित मरीजों के बीच रहते हैं और सर्जिकल मॉस्क पहनते हैं तो आप पर से खतरा 50 फीसदी टल जाता है।

मधुमेह रोगियों को संक्रमण काल में सतर्क रहने की जरूरत

कोरोना वायरस के संक्रमण का ज्यादातर प्रभाव ज्यादातर प्रतिरोधक क्षमता कम वाले व्यक्तियों पर पड़ता है। यह प्रतिरोध क्षमता कम करने में इस रोग की बड़ी भूमिका होती है, ऐसे में जिसे भी इस तरह की दिक्कत हो, वह इस संक्रमण काल में बेहद सतर्क रहे। यह कहना है राजकीय आयुर्वेद संस्थान एवं अस्पताल के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ मंदीप जायसवाल का। उन्होंने कहा कि मधुमेह के मरीजों के लिए मानिरंग वॉक रामबाण है, लेकिन लॉकडाउन के कारण नहीं हो पा रहा है। दिनचर्या बिगड़ जाने से खानपान पर नियंत्रित नहीं रह गया है। मधुमेह से पीड़ित रोगियों को इस समय ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। इस रोग से ग्रसित लोगों को हल्का व आधा पेट भोजन करना चाहिए। उन्होंने बताया कि सुबह का नाश्ता भरपूर करना चाहिए। रात का खाना आठ बजे से पहले तथा आधा पेट करना चाहिए तथा रात के खाने के दो घंटे बाद ही सोना चाहिए। मधुमेह रोगियों को दवाओं का नियमित सेवन करना चाहिए। आज के समय में बाहर टहलने की मनाही है इसलिए घर पर ही टहलें। कब्ज न हो, इसका विशेष ध्यान रखना है। इसके लिए खाना खाने के एक घंटे बाद गुनगुने पानी का सेवन करें। यदि दवा की जरूरत है तो भोजन करने से पहले हिंगवाष्टक चूर्ण तथा भोजन करने के एक घंटे बाद त्रिफला चूर्ण क्वाथ का सेवन अवश्य करें। भोजन से एक घंटे पहले हरिद्रा, आमलकी, दालचीनी, गिलोय, मेथी, चिरायता को बराबर मात्रा में मिलाकर इसका चूर्ण बनाकर लगातार सेवन करने से मधुमेह नियंत्रित रहती है। यदि शुगर बढ़ी है तो भोजन करने के एक घंटे बाद निशाकथाकादि कशाय फलाकत्रादि कशाय का सेवन इसमें फायदा मिलता है। डायबिटीज में विशेष रूप से दूध तथा दूध के अन्य विकार (पनीर इत्यादि) तथा दही आदि भी कम मात्रा में और जहां तक संभव हो दोपहर से पहले लेने चाहिए। फिर भी डायबिटीज नियंत्रित नहीं हो रहा है तो डक्टर की सलाह लेनी चाहिए। हम एलोपैथिक दवाओं का सेवन कर रहे हैं तो निगरानी जरूरी होती है क्योंकि शरीर में प्रतिक्रियाएं बढ़ जाती हैं। ऐसे में हमें एलोपैथिक दवाओं की डोज कम करने की आवश्यकता होती है।

फाइजर की गोली पैक्सलोविड को मंजूरी, 12 साल और उससे अधिक उम्र के लोगों में मौत का खतरा घटेगा

वाशिंगटन। यूएस एफडीए ने कोरोना महामारी के खिलाफ लड़ाई के लिए फाइजर की गोली पैक्सलोविड को मंजूरी दे दी है। अब 12 साल या उससे ऊपर के उच्च जोखिम वाले लोगों के कोविड महामारी के इलाज में पैक्सलोविड टैबलेट का इस्तेमाल हो सकेगा। हालांकि अभी भारत में इसके उपलब्ध होने में समय लगेगा। यह पहली दवा है जिसे नए संक्रमित मरीज अब अस्पताल से बाहर रहने के लिए घर पर ले जा सकते हैं। वह इसे कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में फाइजर की पैक्सलोविड टैबलेट को इस्तेमाल कर सकेंगे। ये गोली कोविड महामारी में एक प्रमुख मील का पत्थर की तरह है, जो लाखों लोगों के इलाज में सहायक बनेगी। अमेरिका ने पैक्सलोविड नामक टैबलेट को बनाकर कोरोना से जूझ रहे लोगों में भी मौत का खतरा कम होने का दावा किया है। एफडीए वैज्ञानिक पैट्रिजिया कैवाजोनी ने कहा, दुनिया के कई देशों में कोविड का स्वरूप बन चुके कोरोना वायरस के उपचार के लिए एक टैबलेट सफलतापूर्वक तैयार कर ली गई है। कोरोना के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में यह ऐतिहासिक कदम है। फाइजर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और अध्यक्ष अल्बर्ट बोरूला ने बताया कि अस्पताल में कोरोना का इलाज करा रहे 2,200 लोगों पर इस टैबलेट का परीक्षण करने पर इसमें अप्रत्याशित परिणाम सामने आए। टैबलेट से मौत के जोखिम को 88 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है। ओमिक्रॉन वैरिएंट का पता अभी-अभी चला है। इसलिए अभी कंपनी ने इसमें इसका परीक्षण नहीं किया है। हालांकि इस बीच एक्सपर्ट्स का कहना है कि चूंकि टैबलेट के काम करने का तरीका ऐंटिबॉडीज या वैक्सीन के तरीके से थोड़ा अलग है, इसलिए ये टैबलेट ओमिक्रॉन ही नहीं कोरोना के किसी भी वैरिएंट के खिलाफ कारगर होगी।

हांगकांग में बढ़ी चीन की तानाशाही, विश्वविद्यालय में तियेन आन मेन नरसंहार की याद में बना स्तंभ हटाया

हांगकांग। हांगकांग के पहले विधायी चुनावों को राष्ट्रपति शी जिनपिंग के मान्यता देते ही हांगकांग पर चीनी शिकंजा और कस गया है। ये चुनाव चीन के नए कानूनों के तहत ही आयोजित किए गए हैं और इसमें सुनिश्चित किया गया कि बीजिंग के प्रति वफादारी दिखाने वाले केवल ''देशभक्त'ही उम्मीदवार बन सकें। इस बीच हांगकांग पर बढ़ती चीन की तानाशाही का नया कारनामा सामने आया है। चीन में लोकतंत्र के समर्थन में प्रदर्शन के दौरान 1989 में तियेन आन मेन चौराहे पर हुए नरसंहार की याद में हांगकांग विश्वविद्यालय में बने एक स्मारक को बृहस्पतिवार तड़के विश्वविद्यालय के आदेश पर हटा दिया गया। इस आठ मीटर ऊंचे स्तंभ 'पिलर ऑफ शेम' में 50 लोगों के क्षत-विक्षत शवों को एक-दूसरे के ऊपर पड़ा हुआ प्रदर्शित किया गया है। इसे डेनमार्क के मूर्तिकार जेन्स गाल्सियोट ने बीजिंग में चार जून, 1989 को तियेन आन मेन चौराहे पर लोकतंत्र के समर्थन में प्रदर्शन के दौरान हिंसक सैन्य कार्रवाई में मारे गए लोगों की याद में बनाया था। लेकिन अक्टूबर में यह स्मारक विवाद का विषय बन गया क्योंकि विश्वविद्यालय इसे हटाने की मांग करने लगा जबकि मानवाधिकार समूहों ने इस फैसले की निंदा की। वहीं, गाल्सियोट ने इसे डेनमार्क वापस ले जाने की पेशकश की लेकिन अब तक वह इसमें सफल नहीं हो पाए। बुधवार रात हांगकांग विश्वविद्यालय में स्मारक के आसपास अवरोधक लगा दिए गए और वहां से ड्रिलिंग की आवाजें सुनी जा सकती थी और सुरक्षाकर्मी गश्त कर सुरक्षा प्रदान कर रहे थे।

पाक के कब्जे वाले गिलगित-बाल्टिस्तान में महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ फूटा जनता का गुस्सा

पेशावर। पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित-बाल्टिस्तान में महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। गिलगित-बाल्टिस्तान में तेजी से बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी को लेकर इलाके के कई जिलों में लोगों ने बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। सैकड़ों स्थानीय लोगों ने घिसर जिले की सड़कों पर प्रदर्शन किया। लोगों ने सरकार पर आरोप लगाया कि उसने चुनाव प्रचार के दौरान झूठे वादे किए । लोगों का आरोप है कि सरकार ने कई मदों पर सब्सिडी हटा दी है। मुद्रास्फीति की दर काफी अधिक और बेरोजगारी ऐतिहासिक पर ऊंचाई पर है। व्यापक बेरोजगारी ने न केवल क्षेत्र के लोगों के सामाजिक-आर्थिक मानकों को प्रभावित किया है, बल्कि मूल निवासियों को कर्ज और अवसाद की ओर भी धकेल दिया है।

स्थानीय चुनावों में हार ने बढ़ाई इमरान की चिंता, पीएमएल-नवाज ने मांगा इस्तीफा

इस्लामाबाद। खैबर पख्तूनवा प्रांत के स्थानीय चुनाव में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) की हार ने पहले से कई मोर्चों पर संकट से घिरे पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान की मुसीबत बढ़ा दी है। विपक्षी दलों ने उनके इस्तीफे की मांग शुरू कर दी है। जानकारों के मुताबिक पीटीआई के लिए खास चिंता की बात यह है कि जो अब तक जो कट्टरपंथी ताकतें उसकी समर्थक थीं, इस बार उन्होंने उसका साथ छोड़ दिया है।

इन चुनाव नतीजों के सामने आने के बाद विपक्षी दल पाकिस्तान मुस्लिम लीग- नवाज ने सलाह दी है कि इमरान खान को अपना पद छोड़ देना चाहिए। पार्टी ने कहा है कि पूरे देश की यही इच्छा है। पार्टी की उपाध्यक्ष मरियम नवाज ने कहा- अगर इमरान खान में थोड़ा भी आत्म-सम्मान बचा है, तो उन्हें गरीबों को अकेला छोड़ कर अपने घर लौट जाना चाहिए। चुनाव नतीजों की घोषणा के बाद अपनी पहली प्रतिक्रिया में इमरान खान ने स्वीकार किया था कि पीटीआई ने गलतियां कीं, जिसका खामियाजा उसे भुगतना पड़ा है। खान ने स्थानीय चुनावों के दूसरे चरण में पार्टी के अभियन की पूरी देखरेख अब अपने हाथ में ले लेने का एलान किया है।

पीटीआई ने कहा है कि खैबर पख्तूनवा में जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम-फजल (जेयूआई-एफ) की जीत देश के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। जेयूआई-एफ के नेता मौलाना फजलुर रहमान हैं, जिन्हें एक कट्टरपंथी नेता समझा जाता है।

जेयूआई-एफ कट्टरपंथी इस्लामी व्यवस्था लागू करने की समर्थक है। पीटीआई के नेता और सूचना मंत्री फव्वाद चौधरी ने एक बयान में कहा- 'मौलाना फजलुर रहमान की जीत से मैं बेहद मायूस हूं। ये हमारी गलती है कि हमने उनकी जीत की राह तैयार की।' फव्वाद चौधरी ने चेतावनी दी- 'अगर तहरीक-ए-लबाइक पाकिस्तान और जेयूआई-एफ जैसी पार्टियां सत्ता में आईं, तो पाकिस्तान और भी अधिक उथल-पुथल का शिकार हो जाएगा।'

पर्यवेक्षकों के मुताबिक इन चुनाव नतीजों से साफ हुआ है कि पीटीआई की हार देश के लिए खराब खबर है, क्योंकि पीएमएल-नवाज और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी की अब जनता में कोई जड़ नहीं है। इसलिए पीटीआई के कमजोर होने का फायदा कट्टरपंथी पार्टियों को मिला है। एक समय पीटीआई कट्टरपंथी ताकतों की नुमाइंदगी करती थी। लेकिन अब लगता है कि कट्टरपंथी समूहों ने सीधे इस्लामी पार्टियों की पनाह ले ली है।

लेकिन मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक इन चुनाव नतीजों से पीएमएल-नवाज का मनोबल बढ़ा है। उसे कैंटोनमेंट चुनावों में अच्छी सफलता मिली है। पार्टी की उपाध्यक्ष मरियम नवाज अपने बेटे की शादी के सिलसिले में दो हफ्तों से छुट्टी पर थीं। मंगलवार को उन्होंने इमरान खान के प्रति आक्रामक रुख अपनाते हुए औपचारिक रूप से अपनी राजनीतिक गतिविधियां फिर शुरू कर दीं।

पीटीआई ने दावा किया है कि उसकी हार गलत उम्मीदवारों के चयन की वजह से हुई है। इस गलती को सुधार लिया जाएगा। पार्टी ने अपने कार्यकर्ताओं से प्रधानमंत्री इमरान खान के हाथ मजबूत करने की अपील की है। पार्टी नेतृत्व ने कहा है कि ये वक्त पार्टी में एकजुटता बनाए रखने का है।

हेलिकॉप्टर क्रैश- 57 साल के मंत्री और वायुसेना के अफसर ने बर्फीले पानी में 12 घंटे तैरकर बचाई जान

अंटानानारिवो। अफ्रीकी देश मेडागास्कर के पुलिस मंत्री और एक वायुसेना अधिकारी ने जबरदस्त साहस का परिचय दिया है। हाल ही में हिंद महासागर में अपना हेलिकॉप्टर क्रैश होने के बाद, दोनों समंदर के बर्फीले पानी में 12 घंटे तक तैरकर जान बचाने में कामयाब रहे। अधिकारियों के मुताबिक, देश के पूर्वोत्तर तट पर एक यात्री जहाज के डूबने के बाद सोमवार को राहत-बचाव अभियान के लिए गए 57 वर्षीय पुलिस मंत्री सर्ज गेल और मुख्य वारंट अधिकारी जिमी लैतसारा दुर्घटना के बाद तैरकर अलग-अलग समय पर म्हाम्बो के तट तक पहुंचे। मेडागास्कर रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी एक वीडियो में गेल ने कहा, भगवान का शुक्रिया कि मैं बच गया। मेरे मरने का समय नहीं आया था। मुझे ठंड लग गई है लेकिन मैं घायल नहीं हूं।

सोशल मीडिया पर बने हीरो... गेल और उनके साथी के इस साहस के बाद देशभर में

उनकी काफी सराहना की जा रही है। सोशल मीडिया पर लोगों ने उन्हें असाधारण एथलीट करार देते हुए अपना हीरो बताया है। अधिकारियों का कहना है कि हेलिकॉप्टर में सवार दो अन्य लोगों की तलाश जारी है लेकिन दुर्घटना की वजह अभी पता नहीं चल पाई। हालांकि, खुद गेल ने कहा है कि हवा के तेज झोंकों ने हेलिकॉप्टर को अस्थिर कर दिया था। उन्होंने बताया कि वह पायलट के पीछे बैठे थे, जिसका अभी पता नहीं चला है।

भारत ने म्यांमार को कोविड टीकों की 10 लाख से अधिक खुराक सौंपी

म्यांमार । विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने म्यांमार रेड क्रॉस सोसाइटी के प्रतिनिधियों को 'मेड इन इंडिया' कोविड-19 रोधी टीकों की 10 लाख से अधिक खुराक सौंपी। श्रृंगला यहां दो दिवसीय यात्रा पर हैं। म्यांमा की सेना द्वारा एक फरवरी को तख्तापलट कर लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई आंग सान सू ची सरकार को अपदस्थ करने के बाद भारत की ओर से पहले उच्च-स्तरीय अधिकारी यहां के दौरे पर पहुंचे हैं।म्यांमार में भारतीय दूतावास ने ट्वीट किया, ''विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने म्यांमा रेड क्रॉस सोसाइटी के प्रतिनिधियों को कोविड-19 का मुकाबला करने के लिए म्यांमा के लोगों की मदद करने के वास्ते 'मेड इन इंडिया'टीकों की दस लाख से अधिक खुराक सौंपी।' अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान, श्रृंगला फरवरी में सत्ता पर कब्जा करने वाले सैन्य शासक जनरल

मिन आंग हलिंग की अध्यक्षता वाली राज्य प्रशासन परिषद, राजनीतिक दलों और नागरिक समाज के सदस्यों के साथ चर्चा करेंगे।

विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा था कि म्यांमा को मानवीय सहायता, सुरक्षा और भारत-म्यांमा सीमा संबंधी चिंताओं और म्यांमा की राजनीतिक स्थिति से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

चीन का नया फरमान, विदेशी नागरिकों के ऑनलाइन धार्मिक सामग्री प्रचार पर लगाई रोक

बीजिंग। चीन ने एक नया नियम जारी किया है जिसके तहत राष्ट्रीय सुरक्षा हितों का हवाला देते हुए सभी विदेशी संगठनों या व्यक्तियों को देश में धार्मिक सामग्री का ऑनलाइन प्रचार करने से प्रतिबंधित कर दिया गया है। एक खबर में यह जानकारी दी गई है। हांगकांग के 'साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट'ने नए नियमों का हवाला देते हुए बताया कि किसी भी संगठन या व्यक्ति को इंटरनेट पर धार्मिक समारोहों के बारे में जानकारी प्रसारित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी, जब तक कि उनके पास चीन के धार्मिक नियामक से लाइसेंस न हो।

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा एक राष्ट्रीय धार्मिक सम्मेलन में भाग लेने के दो सप्ताह बाद ये नये नियम जारी किये गये है। जिनपिंग ने चार दिसंबर को धार्मिक मामलों से संबंधित एक राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए चीनी संदर्भ में धर्मों के

विकास के सिद्धांत को बनाए रखने पर जोर दिया था। सरकारी समाचार एजेंसी की खबर के अनुसार जिनपिंग ने कहा कि इस सिद्धांत को आगे बढ़ाना अनिवार्य है और ऑनलाइन धार्मिक मामलों के प्रबंधन को मजबूत किया जाना चाहिए।

'साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट' की खबर में कहा गया है कि इन नियमों में कहा गया है कि धार्मिक सामग्री को ऑनलाइन प्रसारित करने के लिए लाइसेंस के लिए आवेदन करने वाले लोगों को चीन में स्थित एक इकाई या व्यक्ति होना चाहिए और चीनी कानूनों द्वारा मान्यता प्राप्त होना चाहिए तथा इसका मुख्य प्रतिनिधि चीनी होना चाहिए।

नियमों के तहत, स्थानीय सरकार के धार्मिक मामलों के विभाग को एक लाइसेंस के लिए आवेदन करना होगा जो तीन साल के लिए वैध होगा। खबर में कहा गया है कि नए नियमों के अनुसार लाइसेंस प्राप्त धार्मिक समूहों, धार्मिक स्कूलों, मंदिरों और चर्चों को छोड़कर, कोई भी संगठन या व्यक्ति इंटरनेट पर उपदेश नहीं दे सकता है। नियमों के अनुसार इंटरनेट पर धार्मिक शिक्षा तथा प्रशिक्षण का संचालन करने की अनुमति नहीं होगी।

गंभीर हुए हालात: ब्रिटेन में पहली बार कोरोना के दैनिक मामले एक लाख के पार

लंदन। कोरोना वायरस के नए और अधिक संक्रामक ओमिक्रॉन वैरिएंट के सामने आने के साथ एक समय में इस महामारी से बहुत अधिक प्रभावित रहे ब्रिटेन में हालात एक बार फिर बिगड़ने लगे हैं। यहां पहली बार कोरोना के दैनिक मामलों की संख्या एक लाख के पार पहुंच गई है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार मंगलवार को कोरोना वायरस संक्रमण के ब्रिटेन में एक लाख छह हजार 122 नए मामले सामने दर्ज किए गए। इससे पहले एक दिन में सबसे ज्यादा मामले 17 दिसंबर 2020 को मिले थे, तब यह आंकड़ा 93,045 था। सरकारी आंकड़ों के अनुसार मंगलवार को कोविड संक्रमित 8008 मरीज अस्पतालों में भर्ती थे। यह 22 नवंबर के बाद सबसे ऊंचा आंकड़ा है। अस्पताल में भर्ती होने वाले कोरोना मरीजों की संख्या में पिछले एक सप्ताह में चार फीसदी की तेजी आई है। पिछले 28 दिनों में यहां कोरोना वायरस से संक्रमित 140 मरीजों की मौत हो चुकी है। हालांकि, प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन कह चुके हैं कि क्रिसमस से पहले देश में कोई नया प्रतिबंध लागू नहीं किया जाएगा। लेकिन, तेजी से बढ़ते मामले चिंता का विषय बन चुके हैं। यहां इस समय कोरोना वायरस के सक्रिय मरीजों की संख्या 15 लाख 77 हजार 420 है। उल्लेखनीय है कि पिछले सप्ताह की तुलना में पिछले सात दिनों में कोरोना के दैनिक मामलों में यहां 58.9 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। वहीं, इसी अवधि में दैनिक मौतों के मामलो में भी 2.7 फीसदी की तेजी आई है। फिलहाल राहत की बात यह है कि मामलों में तेजी आने के साथ ब्रिटेन में टीकाकरण की रफ्तार भी तेज है। यहां रिकॉर्ड संख्या में नौ लाख 68 हार 665 टीके की बूस्टर या तीसरी खुराकें लगाई गईं।

ओमिक्रॉन ने बढ़ाई चिंता: चीन में 1.3 करोड़ लोगों पर लॉकडाउन, जर्मनी में नए साल के जश्न पर रोक

वाशिंगटन । कोरोना के नए स्वरूप ओमिक्रॉन के असाधारण प्रसार ने दुनिया में चिंता की लहर दौड़ा दी है। अचानक कोविड-19 संक्रमण के 52 केस मिलने पर चीन 1.30 करोड़ की आबादी वाले शिआन शहर में बुधवार रात से अनिश्चितकाल के लिए लॉकडाउन लगा दिया है। उधर, ब्रिटेन में बुधवार को रिकॉर्ड एक लाख से ज्यादा रिकॉर्ड मामले किए गए। अमेरिका में तो दो माह से रोज एक लाख से ज्यादा नए मामले आ रहे हैं।

चीन में चार फरवरी से विंटर ओलंपिक खेल शुरू होने हैं। शिआन और आसपास के इलाकों में प्रतिबंधों के तहत एक घर से दो दिन में एक बार केवल एक व्यक्ति जरूरी खरीदारी के लिए बाहर निकल सकता है। विशेष स्थितियों को छोड़कर सभी वाहनों पर रोक रहेगी। नागरिकों को आपात स्थिति के अलावा घर से न निकलने के लिए कहा गया है।

उधर, ब्रिटेन में रिकॉर्ड 1,06,122 केस दर्ज होने के बाद नए साल के आयोजनों पर रोक लगाए जाने की संभावना व्यक्त की जा रही है। ब्रिटेन के प्रांत वेल्स की सरकार ने तो क्रिसमस के एक दिन बाद से अनिश्चितकाल तक के लिए घर और बाहर 6 लोगों से ज्यादा एकत्र होने पर रोक लगा दी है। पब में भी एक बार में छह से ज्यादा लोगों को प्रवेश नहीं मिल सकेगा। ताजा अध्ययनों से ओमिक्रॉन का असर हल्का होने की पुष्टि के बावजूद कई देश नए साल में और प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रहे हैं।

जर्मनी ने नववर्ष पर जश्न मनाने पर रोक- जर्मनी ने नववर्ष पर जश्न मनाने पर रोक लगा दी है। जापान ने नया केस आने पर सीमा नियंत्रण जारी रखने का निर्णय लिया है। सिंगापुर ने बृहस्पतिवार से क्वारंटीन-मुक्त यात्रा के लिए अपनी उड़ानों व बसों के नए टिकटों की बिक्री रोक दी है।

यह मार्च-20 नहीं, मुकाबला करेंगे -बाइडन

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि मार्च-2020 जा चुका है और हमें अब ओमिक्रॉन से लड़ना है और हम मुकाबले को तैयार हैं। बाइडन ने एक संबोधन में कहा, टीकाकरण पर जोर दिया जाएगा। घर पर ही टेस्ट के लिए सरकार 50 करोड़ किटें मुफ्त बांटेगी।

बलोचिस्तान में ओमिक्रॉन के 12 मामले...

पाकिस्तान के बलोचिस्तान प्रांत में कोरोना के ओमिक्रॉन स्वरूप के 12 संदिग्ध मामले सामने आए हैं। मरीजों को पृथकवास में भेज उनके नमूने पुष्टि के

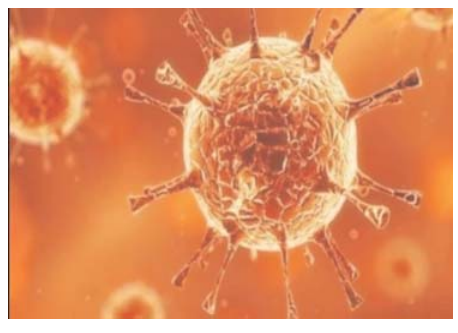

लिएभेजे गए हैं।

अच्छे संकेत -द. अफ्रीका में कोविड-19 के नए मामले घटे...

जोहानसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका में राहत की खबर है कि कोविड-19 संक्रमण के नए मामले सोमवार के 27,000 केसों से घटकर मंगलवार को15,424 रह गए।

भारत ने म्यांमार को वैक्सीन की 10 लाख खुराक सौंपी

भारत के विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने म्यांमार के लोगों की मदद के लिए कोविड-19 की भारत में बनी वैक्सीन की 10 लाख खुराक रेडक्रॉस सोसाइटी के प्रतिनिधियों को सौंपी। लोकतांत्रिक सरकार को हटाकर एक फरवरी को सेना के म्यांमार पर कब्जा करने के बाद यह भारत से पहली आधिकारिक उच्च स्तरीय यात्रा है। दो दिवसीय यात्रा के दौरान श्रृंगला जनरल मिन आंग हलैंग के नेतृत्व वाली राज्य प्रशासन परिषद के साथ चर्चा करेंगे। चर्चा का विषय म्यांमार को मानवीय सहायता, सुरक्षा, भारत-म्यांमार सीमा और राजनीतिक हालात रहेंगे।

बूस्टर डोज देकर नहीं बच सकते- डब्ल्यूएचओ प्रमुख

डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक गेब्रियल टेड्रॉस गेब्रेयसिस ने चेताया है कि कोविड-19 टीके की बूस्टर डोज देने से कुछ देश महामारी से बच नहीं सकते। बल्कि ऐसा करने से महामारी और लंबे समय चलती रहेगी। इसके बजाय उन्हें टीकों की सप्लाई उन देशों में करनी चाहिए, जहां कम टीकाकरण हुआ है। वरना कोरोना वायरस फैलता और म्यूटेट करता रहेगा। गेब्रेयसिस ने कहा, आज कुछ देशों में जब 20 प्रतिशत टीके केवल बूस्टर या अतिरिक्त डोज की तरह दिए जा रहे हैं, तो वहीं कई देशों में बड़ी संख्या में लोग बिना टीके के अस्पताल में भर्ती हो रहे और मर रहे हैं।

डब्ल्यूएचओ का कहना है कि उच्च / उच्च-मध्यम आय वाले देशों में बूस्टर खुराक का व्यापक-आधारित प्रशासन वैश्विक वैक्सीन असमानताओं को बढ़ाता है, जो महामारी को लंब करने में योगदान दे रहा है।

लेकिन डब्ल्यूएओ के ही यूरोपीय निदेशक बोले- जल्द दें बूस्टर डोज

डब्ल्यूएचओ प्रमुख गेब्रेयसिस के विपरीत संगठन के यूरोपीय निदेशक डॉ. हैंज क्लूज ने यूरोप के देशों को ओमिक्रॉन के खतरे को देखते हुए जल्द से जल्द बूस्टर डोज दिए जाने की वकालत की है। क्लूज ने कहा, हम एक और तूफान आता देख सकते हैं।

संयुक्त राष्ट्र- भारतीय राजदूत तिरुमूर्ति ने कहा- इस्त्राइल व फलस्तीन में सीधी वार्ता का समर्थन करेगा भारत

न्यूयार्क। संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजदूत टीएस तिरुमूर्ति ने कहा है कि इस्त्राइल और फलस्तीन की सुरक्षा चिंताओं को सिर्फ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वार्ता से ही हल किया जा सकता है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की बैठक में फलस्तीन पर बोलते हुए कहा कि दोनों पक्षों के बीच शांति बनाए रखने का कोई अन्य विकल्प नहीं है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत ने कहा, शांति के लिए दूसरा कोई विकल्प नहीं

तिरुमूर्ति ने संयुक्त राष्ट्र में बताया कि तीस साल पहले विश्व बिरादरी ने मैड्रिड शांति सम्मेलन के माध्यम से इस्त्राइल-फलस्तीन के बीच वार्ता का एक रास्ता बनाने में मदद की थी। उन्होंने कहा कि दोनों के बीच के विवाद को दूर करने के लिए अब भी इस तरह का कदम उठाने की जरूरत है और भारत इसका खुले तौर पर समर्थन करने के लिए तैयार है।

तिरुमूर्ति ने कहा, यूएनएससी द्वारा 2323 संकल्प द्वि-राष्ट्र विवाद को सुलाझाने की पुष्टि के लिए अपनाया गया था, जो हिंसा रोकने की पैरवी करता है। उन्होंने भारत की तरफ से दोनों देशों के बीच जारी हिंसात्मक गतिविधियों की निंदा की। उन्होंने कहा, शेख जराह से फलस्तीनी परिवारों को हटाने की आशंकाएं हैं। येरूशलम के पवित्र स्थलों पर तनाव का माहौल है। उन्होंने कहा कि हम दोनों पक्षों से हिंसा के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आह्वान करते है।

इस्त्राइली फायरिंग में फलस्तीन के नागरिक की मौत- इस्त्राइली सैनिकों ने एक फलस्तीनी नागरिक की इसलिए हत्या कर दी क्योंकि वह कथित तौर पर

अपना वाहन वेस्ट बैंक में एक सैन्य चौकी में घुसाने की कोशिश कर रहा था। सैनिकों ने वाहन पर गोलियां चलाईं, जिसमें व्यक्ति की मौत हो गई। इस दौरान उसकी कार अनियंत्रित होकर एक सैन्य वाहन से टकरा गई और जेनिन के उत्तरी वेस्ट बैंक शहर के पास आग की लपटों में घिर गई। मृतक की पहचान उजागर नहीं की गई है।

अफगानिस्तान को मानवीय सहायता के लिए प्रतिबंधों में छूट देने संबंधी प्रस्ताव के पक्ष में भारत

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत ने अफगानिस्तान को मानवीय सहायता के लिए प्रतिबंधों में छूट देने संबंधी प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया। प्रस्ताव में यह रेखांकित किया गया है कि सुरक्षा परिषद को प्रदान की जाने वाली सहायता की निगरानी के साथ ही कोष के सही उपयोग को सुनिश्चित करना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने बुधवार को कहा, 'भारत ने अफगानिस्तान को मानवीय सहायता के लिए प्रतिबंधों से छूट देने के प्रस्ताव का समर्थन किया।'

उन्होंने कहा, 'यह महत्वपूर्ण है कि सहायता में तत्काल तेजी लाई जाए और संयुक्त राष्ट्र एवं अन्य एजेंसियों को निर्बाध पहुंच प्रदान की जाए। इस परिपेक्ष्य में भारत ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय के आह्वान का समर्थन किया है कि अफगानिस्तान के लिए मानवीय सहायता तक पहुंच प्रत्यक्ष और बिना किसी बाधा के होनी चाहिए।' तिरुमूर्ति ने कहा, 'अफगानिस्तान के लिए मानवीय सहायता तटस्थता, निष्पक्षता और स्वतंत्रता के सिद्धांतों पर आधारित होनी चाहिए। साथ ही सहायता का वितरण जातीयता, धर्म या राजनीतिक विश्वास को दरकिनार कर गैर-भेदभावपूर्ण होना चाहिए।'उन्होंने कहा कि विशेष रूप से सहायता सबसे पहले सबसे कमजोर लोगों तक पहुंचनी चाहिए।

सार समाचार

यूपी में क्रिसमस और नए साल के जश्न के चलते सख्ती, सार्वजनिक स्थानों पर कोविड प्रोटोकॉल और मास्क अनिवार्य

लखनऊ। क्रिसमस और नए साल के जश्न के मद्देनजर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोरोना संक्रमण के प्रसार को देखते हुए प्रदेश में सख्ती बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। सीएम योगी ने कहा संक्रमण को मात देने के लिए सजगता के साथ सतर्कता जरूरी है। ऐसे में सार्वजनिक स्थानों जैसे मॉल, सिनेमाघर, होटल, कैफे व भीड़भाड़ वाले स्थानों पर अधिक सतर्कता बरती जाएगी। क्रिसमस और नए साल के जश्न में आयोजित होने वाली पार्टियों में कोविड प्रोटोकाल, सोशल डिस्टेंसिंग और मास्क अनिवार्य होगा। कोरोना के डेल्टा व ओमिक्रान वैरिएंट को ध्यान में रखते हुए प्रदेश के सभी डीएम को अलर्ट जारी किया जा चुका है। यूपी की सीमाओं पर सुरक्षा और सतर्कता के दायरे को बढ़ाते हुए प्रदेश में आने वाले हर यात्री की जांच पर जोर दिया जा रहा है वहीं, प्रदेशवासियों को नए वायरस के प्रकोप से बचाने के लिए तेजी से टीकाकरण किया जा रहा है। ऐसे में प्रदेश में स्वास्थ्य विशेषज्ञों की टीम के सुझावों को ध्यान में रखते हुए सरकारी और गैर सरकारी अस्पतालों में नई गाइडलाइन के तहत सभी इंतजामों को पुख्ता करने के निर्देश दिए गए हैं।

पंजाब में किसानों के आंदोलन के तीसरे दिन 128 ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित

फिरोजपुर। पंजाब में विभिन्न स्थानों पर बुधवार को तीसरे दिन भी किसानों ने रेल पटरियों को अवरुद्ध कर दिया, जिससे 128 ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित हुई। रेलवे के फिरोजपुर मंडल के अधिकारियों के अनुसार 59 ट्रेनों को रद्द कर दिया गया। 34 ट्रेनों को उनके नियत प्रस्थान स्टेशन की जगह किसी दूसरे स्टेशन से चलाया गया और 35 ट्रेनों को उनके निर्धारित गंतव्य स्टेशन से पहले ही रोक दिया गया। प्रभावित होने वाली 128 ट्रेनों में से 104 ट्रेनें मेल या एक्सप्रेस ट्रेनें थीं, जबकि 24 यात्री ट्रेनें थीं। मंडल रेल प्रबंधक (फिरोजपुर मंडल) सीमा शर्मा ने कहा कि यात्रियों को हर संभव मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए रेलवे ने सभी स्टेशनों पर हेल्प डेस्क स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा, हम यात्रियों को किसी भी असुविधा से बचाने के लिए कम दूरी के स्टेशनों के बीच ट्रेनें चलाने की कोशिश कर रहे हैं। किसान मजदूर संघर्ष समिति के बैनर तले किसानों ने सोमवार को आंदोलन शुरू किया था। वे पूर्ण कर्ज माफी, कृषि कानूनों के खिलाफ साल भर चले आंदोलन के दौरान मारे गए लोगों के परिवारों को मुआवजा देने और उनके खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों को वापस लेने की मांग कर रहे हैं।

देशी बम बरामदगी मामले में एनआईए ने तीन युवकों के विरूद्ध आरोपपत्र दाखिल किया

जम्मू। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने जून में भटिंडी में देशी बम बरामद होने के मामले में यहां विशेष अदालत में तीन व्यक्तियों के विरूद्ध आरोपपत्र दाखिल किया है। एनआईए के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को बताया कि भादंसं , अवैध गतिविधि रोकथाम अधिनियम एवं विस्फोटक सामग्री अधिनियम के तहत दाखिल किये गये आरोपपत्र में रामबन के नदीम उल हक, तालिब उर रहमान और शोपियां के नदीम अयूब राठेर को नामजद किया गया है। उन्होंने बताया कि यह मामला जून में भटिंडी में मदरसा मरकज उल हरूफ के समीप नदीम उल हक से जम्मू कश्मीर पुलिस द्वारा देशी बरामद किये जाने से जुड़ा है। प्रारंभ में जम्मू कश्मीर पुलिस ने मामला दर्ज किया था लेकिन जुलाई में एनआईए ने इसकी जांच अपने हाथ में ले ली। एनआईए अधिकारी ने बताया कि तीनों ही आरोपी व्हाट्सअप पर पाकिस्तान स्थित दि रेसिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) से निर्देश ले रहे थे। उन्होंने कहा कि जांच में एक व्यापक साजिश का पता चला है जिसके तहत भारत सरकार के विरूद्ध युद्ध छेड़ने के वास्ते सुरक्षाकर्मियों एवं सार्वजनिक स्थानों को निशाना बनाया जाना तथा इसके लिए पूरी घाटी में बड़ी संख्या में कट्टरपंथ के रास्ते पर धकेले जा चुके युवकों की भर्ती करने और उन्हें सक्रिय करने की योजना थी।

पटियाला से हरिद्वार फोरलेन सडक बनाने का प्रस्ताव सौंपा केन्द्रीय सडक मंत्री नितिन गडकरी को

कुरुक्षेत्र । कुरुक्षेत्र लोकसभा क्षेत्र के सांसद नायब सिंह सैनी ने केन्द्रीय सडक एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को पटियाला से हरिद्वार तक फोरलेन सडक बनाने का प्रस्ताव सौंपा है और सरकार से मांग की है कि इस 223 किलोमीटर लम्बी सडक को बनाने से 4 राज्यों को आपस में जोड़ा जा सकता है। इस सडक का व्यापारिक, धार्मिक और किसानों की दृष्टि से बहुत अधिक महत्व है। सांसद नायब सिंह सैनी ने नई दिल्ली में केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी के समक्ष कुरुक्षेत्र, कैथल और यमुनानगर के लोगों की आवाज को बुलंद करते हुए कहा कि सरकार ने हमेशा से हरियाणा के लोगों की मांग को पूरा करते हुए कई राष्ट्रीय राजमार्गों को दिया है। इसी तरह केन्द्रीय मंत्री के समक्ष पटियाला से हरिद्वार तक सडक बनाने का प्रस्ताव रखा। पटियाला से हरिद्वार तक फोरलेन की सडक बनने से 4 राज्यों जिनमें पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और उतराखंड को एक दूसरे के साथ जोडा जा सकता है। यह मार्ग 223 किलोमीटर लम्बा है और इस मार्ग का बहुत बडा हिस्सा उनके लोकसभा क्षेत्र कुरुक्षेत्र से यमुनानगर के बीच में पड़ता है। सांसद ने कहा कि हरिद्वार से पटियाला तक का मार्ग काफी व्यस्तम मार्गों में से एक है। इस मार्ग पर बहुत अधिक ट्रैफिक रहता है और इस सडक पर दुर्घटनाओं की हमेशा संभावना बनी रहती है। इस मार्ग का धार्मिक दृष्टि से भी बहुत अधिक महत्व है। यह मार्ग धर्मनगरी हरिद्वार को धर्मनगरी कुरुक्षेत्र को जोडता है और सावन माह में हजारों, लाखों लोग कावड लेकर देश के कोने-कोने तक पहुंचते है। इतना ही नहीं किसानों के लिए भी इस मार्ग को फोरलेन करना बहुत जरूरी है क्योंकि इस मार्ग पर 3 शुगर मिल, 5 सब्जी मंडी और 5 अनाज मंडी भी पडती है। इन व्यवसायिक संस्थानों में किसानों और व्यापारियों को आना जाना लगा रहता है। सांसद ने कहा कि देश के सबसे बडे राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच 44, राष्ट्रीय राजमार्ग 152एडी और राष्ट्रीय राजमार्ग हिसार चंडीगढ को भी यह सडक जोडने का काम करेगी। इसलिए इस सडक को पटियाला से हरिद्वार तक फोरलेन किया जाए। इस सडक के बनने से लाखों लोगों की मांग पूरी होगी।

केजरीवाल सरकार बाबा साहेब म्यूजिकल शो का कर रही आयोजन, ऐसे करें मुफ्त में टिकट

नयी दिल्ली। दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार युवाओं को प्रेरित करने के लिए संविधान निमार्ता बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर के जीवन पर आयोजित म्यूजिकल शो का आयोजन करने वाली है। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वर्तमान पीढ़ी को प्रेरणा देने के लिए केजरीवाल सरकार एक बहुत बड़ा म्यूजिकल शो आयोजित कर रही है। यह 5 जनवरी से आयोजित किया जाएगा। दिल्ली में इसके 50 शो होंगे। रोजाना 2 शो 5 और 8 बजे आयोजित होंगे। उन्होंने कहा कि सरकार इसे बहुत भव्य तरीके से आयोजित कर रही है। यह देश का पहला बड़ा शो होगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल कहते रहे हैं कि बाबा साहेब की वजह से आज का भारत और आधुनिक भारत है। इसकी पृष्ठभूमि बाबा साहेब ने लिखी थी। आपको बता दें कि बाबा साहेब के म्यूजिकल शो की टिकट बुक करानी पड़ेगी। शो पूरी तरफ से फ्री होगा लेकिन सीमित सीट होने की वजह से टिकट बुक करानी पड़ेगी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ वक्त पहले इसका थीम सॉन्ग लॉन्च हुआ था। इस शो के लीड एक्टर रोहित रॉय हैं। म्यूजिकल शो की बुकिंग करने के लिए 8800009938 नंबर पर फोन करें। आम लोगों के लिए टिकट पूरी तरह से मुफ्त है लेकिन सीटें सीमित होने की वजह से सीट बुक करानी पड़ेगी।

गाय कुछ लोगों के लिए 'गुनाह' हो सकती है, हमारे लिए तो माता है, पूजनीय है: पीएम मोदी

वाराणसी (उत्तर प्रदेश)। (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि देश में गाय और गोबरधन की बात करने को 'कुछ लोगों' ने 'गुनाह' बना दिया है और ऐसे लोग यह भूल जाते हैं कि देश के आठ करोड़ परिवारों की आजीविका ऐसे ही पशुधन से चलती है, जो 'हमारे लिए पूजनीय' है। प्रधानमंत्री ने अपने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में गुजरात के बनासकांठा जिला दुग्ध उत्पादक संघ लिमिटेड की बनास डेयरी सहित 2,095 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के बाद अपने संबोधन में किसी का नाम लिए बगैर यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश की राजनीति को सिर्फ जाति और मजहब के चश्मे से देखने वाले लोगों के 'सिलेबस (पाठ्यक्रम)' में केवल माफियावाद और परिवारवाद ही शामिल है।

उन्होंने कहा, 'गाय कुछ लोगों के लिए गुनाह हो सकती है, हमारे लिए गाय माता है, पूजनीय है। गाय-भैंस का मजाक उड़ाने वाले लोग यह भूल जाते हैं कि देश के आठ करोड़ परिवारों की आजीविका ऐसे ही पशुधन से चलती है।' मोदी ने कहा इन्हीं आठ करोड़ परिवारों की मेहनत से आज भारत हर साल लगभग 8.5 लाख करोड़ रुपये का दूध उत्पादन करता है। उन्होंने कहा, 'भारत में जितना गेहूं और चावल का उत्पादन होता है, उसकी कीमत से भी कहीं ज्यादा इस दूध की कीमत है। इसलिए भारत के डेयरी क्षेत्र को मजबूत करना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। इसी कड़ी में आज यहां बनास काशी संकुल का शिलान्यास किया गया है।'

पशुधन की महत्ता का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि एक जमाना था जब गांव के घर-आंगन में मवेशियों के झुंड ही संपन्नता की पहचान थे और इसे पशुधन कहा जाता था। उन्होंने कहा, 'किसके दरवाजे पर कितने खूंटे गड़े हैं, इसको लेकर स्पर्धा रहती थी। हमारे शास्त्रों में भी कामना की गई है कि गाय हमारे चारों ओर रहे और हम गायों के बीच निवास करें। यह क्षेत्र हमारे यहां रोजगार का भी हमेशा से बहुत बड़ा माध्यम रहा है लेकिन बहुत लंबे समय तक इस क्षेत्र को जो समर्थन मिलना चाहिए था वह पहले की सरकारों में नहीं मिला।' प्रधानमंत्री ने कहा कि अब केंद्र सरकार देश भर में इस स्थिति को बदल रही है और इसी क्रम में कामधेनु आयोग का गठन किया गया है और डेयरी क्षेत्र के उन्नयन के लिए एक कोष बनाया गया है तथा बहुत बड़ा अभियान चलाकर लाखों पशुपालकों को किसान क्रेडिट कार्ड की सुविधा से भी जोड़ा गया है। उन्होंने कहा, 'इन्हीं प्रयासों का परिणाम है कि छह-सात वर्ष पहले की तुलना में दूध उत्पादन लगभग 45 प्रतिशत बढ़ा है। आज भारत दुनिया का लगभग 22 प्रतिशत दूध उत्पादित करता है। मुझे खुशी है कि उत्तर प्रदेश आज देश का सबसे अधिक दूध उत्पादक राज्य तो है ही, डेयरी क्षेत्र के विस्तार में भी वह बहुत आगे है। मेरा अटूट विश्वास है कि देश का डेयरी क्षेत्र श्वेत क्रांति में नयी ऊर्जा और किसानों की स्थिति बदलने में बहुत बड़ी भूमिका निभा सकता है।' प्रधानमंत्री ने खेती के कुदरती तरीकों को फिर से अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि एक समय था जब भारत में प्राकृतिक तरीके से खेती होती थी लेकिन समय के साथ प्राकृतिक खेती का दायरा सिमट गया और उस पर रासायनिक खेती हावी होती गई। धरती मां के कायाकल्प के लिए, हमारी मिट्टी की सुरक्षा के लिए और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए अब हमें एक बार फिर प्राकृतिक खेती की तरफ मुड़ना ही होगा।' प्राकृतिक खेती को समय की मांग करार देते हुए उन्होंने किसानों से इसे फिर से अपनाने का आह्वान किया और स्टार्ट अप क्षेत्र और नौजवानों से कहा कि वह प्राकृतिक खेती में व्याप्त अनंत संभावनाओं का पूरा फायदा उठाएं। मोदी ने कहा कि 'डबल इंजन' की सरकार पूरी ईमानदारी और शक्ति से किसानों और पशुपालकों का साथ दे रही है। उन्होंने कहा, 'आज यहां बनास काशी संकुल का शिलान्यास किया गया है, वह भी सरकार और सहकार की इसी भागीदारी का प्रमाण है। बनास डेयरी संयंत्र आसपास के जिलों के भी लाखों किसानों के लिए भी फायदेमंद साबित होगा। यह बनारस के रस को और बढ़ा देगा।' विभिन्न विकास परियोजनाओं व कार्यक्रमों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा वह जब काशी और उत्तर प्रदेश के विकास में 'डबल इंजन' की 'डबल शक्ति और डबल विकास' की बात करते हैं तो कुछ लोगों को बहुत कष्ट होता है। उन्होंने कहा, ह्यह्यवह वे लोग हैं, जिन्होंने उत्तर प्रदेश की राजनीति को सिर्फ और सिर्फ जाति पंथ, मत और मजहब के चश्मे से ही देखा है। इन लोगों ने कभी नहीं चाहा कि उत्तर प्रदेश का विकास हो।

ओमीक्रोन से लड़ाई के लिए केजरीवाल सरकार तैयार, मुख्यमंत्री बोले- ऑक्सीजन का पूरा इंतजाम है

नयी दिल्ली (एजेंसी)

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को ओमीक्रोन को लेकर आपात बैठक की। इस बैठक के बाद उन्होंने बताया कि आज मैंने विभिन्न विभागों के साथ ओमिक्रोन पर एक बैठक की। उन्होंने कहा कि ओमीक्रोन में मौतें काफी कम होती है लेकिन फैलता काफी तेजी के साथ है। हमने अपनी टेस्टिंग क्षमता 3 लाख टेस्ट प्रतिदिन तक बनाई है। कोविड की दूसरी लहर के दौरान दिल्ली में सबसे ज्यादा 26-27 हजार मामले प्रतिदिन दर्ज. किए गए। इस बार हम एक लाख मामले प्रतिदिन से निपटने के लिए तैयार हैं।

मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि हम होम आइसोलेशन को काफी मजबूत बना रहे हैं। जो टीम घरों में जाएंगी, अभी क्षमता 1000 मामले प्रतिदिन की है, इसे एक लाख मामले प्रतिदिन तक ले जाएंगे। अगर एक लाख घरों का भी प्रतिदिन दौरा करना पड़ा तो करेंगे। 2 महीने के लिए दवाइयों का स्टॉक तैयार किया जा रहा है। ऑक्सीजन का भी पूरा इंतजाम है।

उन्होंने कहा कि पिछली बार हमारे पास ऑक्सीजन को लाने के लिए ट्रक नहीं थे। इसीलिए हमने 15 ट्रक का इंतजाम किया है, ताकि ऑक्सीजन लाई जा सके। क्योंकि पिछली बार केंद्र सरकार ने दूसरे राज्यों से हमारे लिए ऑक्सीजन की व्यवस्था की थी।

ओमिक्रोन की दस्तक के बाद विदेश से लौटे यात्रियों की निरंतर टेस्टिंग की जा रही

ऊना । (एजेंसी)

कोविड-19 वायरस के नए वेरिएंट ओमिक्रोन की दस्तक के बाद जिला ऊना में विदेश से लौटे यात्रियों की निरंतर टेस्टिंग की जा रही है। 27 नवंबर से 21 दिसंबर तक जिला ऊना में 271 यात्री लौटे हैं, जिनकी तय मापदंडों के मुताबिक जांच की जा रही है। अब तक 135 व्यक्तियों के टेस्ट किए गए हैं, लेकिन इनमें से कोई भी व्यक्ति कोविड-19 पॉजीटिव नहीं पाया गया है तथा 21 दिसंबर को भी 17 सैंपल टेस्टिंग के लिए भेजे गए हैं। यह बात उपायुक्त ऊना राघव शर्मा ने आज कोविड-19 वायरस की स्थिति की समीक्षा के लिए बुलाई गई एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए कही। उन्होंने कहा कि जिला ऊना के लिए सुखद बात है कि अब तक विदेश से लौटा कोई भी व्यक्ति कोरोना पॉजीटिव नहीं पाया गया है। अगर कोई व्यक्ति कोविड पॉजीटिव पाया जाता है, तो इसके बाद ही ओमीक्रोन वेरिएंट के लिए उस व्यक्ति की जांच की जाएगी। राघव शर्मा ने विदेश से लौट रहे सभी व्यक्तियों से घर पर आइसोलेट होने की अपील करते हुए कहा कि वह जिला ऊना में वापसी की जानकारी अपने पंचायत प्रधान, आंगनबाड़ी या आशा कार्यकर्ता को दें, ताकि समय पर उनकी जांच की जा सके। जिलाधीश ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग विदेश से लौटे व्यक्ति के दो टेस्ट कर रहा है। पहला वापसी के तुरंत बाद और पहले टेस्ट के आठ दिन के बाद

मानव विकास के कई सूचकांकों पर केरल दूसरे राज्यों की तुलना में अग्रणी: राष्ट्रपति

मुंबई। (एजेंसी)

तिरूवनंतपुरम। सतत विकास के पहलुओं सहित मानव विकास के कई सूचकांकों पर केरल दूसरे राज्यों की तुलना में अग्रणी है और राज्य में बनी अब तक की सरकारों ने विकास और वृद्धि के एजेंडा पर निरंतर ध्यान दिया है। यह बात बृहस्पतिवार को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कही। केरल में पुस्तकालय आंदोलन के जनक माने जाने वाले पी. एन. पनिक्कर की प्रतिमा का राजधानी के पूजापुरा इलाके में अनावरण करने के बाद सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि केरल की यह विशेषता है कि यहां के हर गांव में पुस्तकालय है और लोग अपने गांव या शहर में पुस्तकालय से भावनात्मक लगाव महसूस करते हैं। राष्ट्रपति ने केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की प्रशंसा करते हुए कहा कि लोक सेवा के क्षेत्र में वे सर्वाधिक अनुभवी और समझदार व्यक्ति हैं। कोविंद ने कहा, मुझे खुशी है कि राज्यपाल के निर्देशन और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में केरल के लोगों को लाभ हो रहा है। केरल में सेवा क्षेत्र के पेशेवरों और खासकर नर्स एवं चिकित्सकों की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि वे काफी सम्मानित हैं और हर जगह लोग उन पर भरोसा करते हैं।

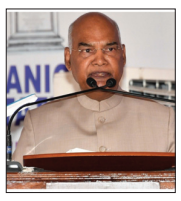

राष्ट्रपति ने कहा, हाल में जब पूरी दुनिया कोविड-19 से प्रभावित रही तो केरल की नर्स और चिकित्सक भारत, पश्चिम एशिया और दुनिया के अन्य क्षेत्रों में कोविड योद्धा के तौर पर सबसे ज्यादा नजर आए। केरल के लोग भारत का गौरव बढ़ाते हैं। इससे पहले कोविंद ने खान, विजयन, केंद्रीय मंत्री वी. मुरलीधरन एवं अन्य की मौजूदगी में पनिक्कर की प्रतिमा का अनावरण किया।

अयोध्या में जमीन खरीद-फरोख्त मामले में हस्तक्षेप करे उच्चतम न्यायालय: मायावती

लखनऊ। (एजेंसी)

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने अयोध्या में नेताओं और अफसरों द्वारा बड़े पैमाने पर जमीन औने-पौने दामों में खरीदे जाने के आरोपों की उच्च स्तरीय जांच की मांग करते हुए उच्चतम न्यायालय से इसमें हस्तक्षेप का आग्रह किया है। अयोध्या में निमार्णाधीन राम मंदिर के निकट की जमीनें कथित रूप से भाजपा के विधायकों, महापौर, और प्रशासन के आला अधिकारियों द्वारा औने-पौने दाम में खरीदे जाने का मामला सामने आया है, जिसके बाद राज्य सरकार ने राजस्व विभाग को मामले की गहराई से जांच करने के आदेश दिए हैं। मायावती ने बृहस्पतिवार को यहां प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस संबंध में पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा, यह मामला गंभीर है और इसकी उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए। हमारी पार्टी चाहेगी कि उच्चतम न्यायालय इसमें दखल दे।

उन्होंने कहा कि अगर जमीन की खरीद-फरोख्त में कुछ गड़बड़ हुई है तो राज्य सरकार को इसे गंभीरता से लेना चाहिए और केंद्र सरकार को भी इस मामले में हस्तक्षेप करके राज्य सरकार को निर्देश देना चाहिए कि अगर ऐसा कुछ हुआ है तो जमीन की खरीद-फरोख्त को रद्द किया जाए। मायावती ने मतदाता पहचान पत्र को आधार से जोड़ने संबंधी विधेयक को संसद में पारित किए जाने के बारे में पूछे गए एक सवाल पर कहा हमारी पार्टी का मत है कि यह बहुत महत्वपूर्ण मामला है और इसको जल्दबाजी में संसद से पारित कराना ठीक नहीं है। संसद में पारित कराने से पहले केंद्र सरकार की जिम्मेदारी बनती थी कि वह लोकसभा और राज्यसभा में इस पर खुली बहस कराती। हमारी पार्टी इससे सहमत नहीं है। यह मामला अति गंभीर है। विपक्षी पार्टियों के नेताओं के फोन टैप कराए जाने से संबंधित आरोपों के बारे में पूछे गए सवाल पर मायावती ने कहा जब केंद्र में कांग्रेस होती है तो वह भी यही काम करती है। जब भाजपा सत्ता में है तो वह भी यही काम कर रही है। इसमें कहां तक सच्चाई है यह तो मैं नहीं कह सकती हूं लेकिन जब यह आम चर्चा है कि फोन टैप हो रहे हैं तो हो सकता है कि इसमें सच्चाई हो।

मायावती ने उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव के बारे में अपनी पार्टी की तैयारियों का जिक्र करते हुए बताया कि उन्होंने बृहस्पतिवार को बसपा के उत्तर प्रदेश के सभी 18 मंडलों के प्रभारियों तथा 75 जिलों के सभी जिला अध्यक्षों की बैठक बुलाई है। इस बैठक में जिलेवार और उसके अंतर्गत आने वाली सभी विधानसभा सीटों पर चुनाव संबंधी पार्टी की तैयारियों को लेकर सभी जरूरी पहलुओं पर गहन समीक्षा की जाएगी। इस सवाल पर कि विपक्षी दलों के नेता जगह-जगह रैलियां कर रहे हैं ऐसे में वह खुद कब मैदान में उतरेंगी मायावती ने कहा जो लोग मैदान में इधर-उधर घूम रहे हैं उन्हें बहुत घबराहट है। जब वक्त आएगा तब आपको बता दिया जाएगा कि मैं कब निकल रही हूं।

कोलकाता नगर निगम के मेयर होंगे फिरहाद हकीम, ममता बोलीं- अगले साल 10 दिन पहले शुरू होगा दुर्गोत्सव

नयी दिल्ली (एजेंसी)

पश्चिम बंगाल के मंत्री फरहाद हकीम को कोलकाता का महापौर बनाया गया है जबकि सांसद माला रॉय कोलकाता नगर निगम के अध्यक्ष होंगी। इस अवसर पर ममता बनर्जी ने निर्वाचित पार्षदों के साथ बैठक भी की। भाजपा और सीपीएम पर हमला करते हुए ममता बनर्जी ने निर्वाचित पार्षदों से कहा कि बीजेपी और सीपीएम को बात ज्यादा करने और काम कम करने की आदत है। सभी होर्डिंग्स को हटाने की जरूरत है और शहर साफ-सुथरा होना चाहिए। यूनेस्को से मान्यता मिलने के बाद दुर्गा पूजा शुरू होने से 10 दिन पहले समारोह शुरू हो जाएगा। इसके साथ ही ममता बनर्जी ने कहा कि राज्य चुनाव आयोग और पुलिस ने शांतिपूर्ण चुनाव कराने में अच्छा काम किया। कोलकाता कॉर्प के रिपोर्ट कार्ड की हर 6 महीने बाद समीक्षा की जाएगी। अगर कोई काम नहीं कर रहा है, तो सरकार उसके खिलाफ कार्रवाई करेगी। आपको बता दें कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में जीत के बाद तृणमूल कांग्रेस ने कोलकाता नगर निगम के चुनाव में भी शानदार विजय हासिल की है और तीसरी बार सत्ता पर कब्जा कर लिया है। कोलकाता नगर निगम चुनाव में तृणमूल कांग्रेस को करीब 72 फीसदी वोट मिले हैं। अधिकारियों ने बताया कि ममता बनर्जी की अगुवाई वाली पार्टी ने निगम की 144 सीटों में से 134 पर जीत हासिल की है। वहीं भाजपा, वाम मोर्चा और कांग्रेस राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी टीएमसी को चुनौती नहीं दे सकी। विधानसभा चुनाव में हार के बाद भाजपा को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। राज्य चुनाव आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, भाजपा महज तीन वार्ड में जीत दर्ज कर सकी। कांग्रेस और माकपा नीत वाम मोर्चे की झोली में भी दो-दो सीटें आई हैं। वहीं तीन निर्दलीयों ने फतह हासिल की है। वाम मोर्चा मत प्रतिशत के मामले में दूसरे स्थान पर रहा।

बिहार में नीतीश ने शुरू की समाज सुधार अभियान, तेजस्वी बोले- पहले अपने मंत्रियों को सुधारें सीएम

पटना (एजेंसी)

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मोतिहारी से समाज सुधार अभियान की शुरूआत की है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि समाज सुधार के बिना विकास का कोई महत्व ही नहीं है। इसी को लेकर अब राजद नेता तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार से सवाल किए हैं। तेजस्वी यादव ने नीतीश पर निशाना साधते हुए कहा कि समाज सुधार अभियान पर फिलहाल कोई टिप्पणी नहीं करनी है लेकिन मुख्यमंत्री के जिम्मेदार इस सिस्टम में फैले भ्रष्टाचार को सुधारने की अधिक है। इसके साथ ही तेजस्वी ने यह भी कह दिया कि मुख्यमंत्री सबसे पहले तो अपने सरकार और अपने मंत्रियों को सुधारे। थाने में बिना खुश की एक भी काम नहीं होता है। उसे कौन सुधरेगा।

तेजस्वी ने सवाल किया कि मुख्यमंत्री जी, क्या बिहार की बदहाल शिक्षा,स्वास्थ्य व विधि व्यवस्था, महंगाई, भ्रष्टाचार, गरीबी, पलायन और बेरोजगारी सरकार की व्यवस्था संबंधित सबसे बड़ी सामाजिक समस्याएँ नहीं है? आप इन सामाजिक खामियों, समस्याओं और प्रशासनिक विफलताओं पर यात्रा कर इन्हें दूर क्यों नहीं करना चाहते? इसके साथ उन्होंने पूछा कि 16 वर्षों के आदरणीय मुख्यमंत्री नीतीश जी, बिहार को 'समाज सुधार' से अधिक 'व्यवस्था सुधार' यात्रा की आवश्यकता है क्योंकि व्यवस्था दुरुस्त होने से अधिकांश सामाजिक समस्याएँ स्वतः दूर हो जाएंगी। प्रदेश में प्रशासनिक अराजकता व्याप्त है। मानिए, आपका "SYSTEM" पूर्णतः ध्वस्त हो चुका है।

वहीं पूर्वी चंपारण जिला मुख्यालय मोतिहारी के गांधी मैदान से समाज सुधार अभियान की शुरूआत करते हुए कुमार ने कहा कि विकास के साथ-साथ हमलोग समाज सुधार के लिए भी काम कर रहे हैं। आपको पता है, हमलोग शराब को लेकर वर्ष 2011 से अभियान चला रहे हैं। एक अप्रैल 2016 को हमलोगों ने पहले ग्रामीण इलाके में देशी और विदेशी शराब पर रोक

लगायी जबकि शहरी इलाकों में विदेशी शराब बंद नहीं किया गया था। शहरों में पुरुष-महिलाओं,लड़के-लड़कियों ने शराब के आर्वटित दुकानों के खोले जाने पर कड़ा विरोध जताया। उसके बाद पांच अप्रैल 2016 को राज्य में पूर्ण शराबबंदी लागू कर दी गई।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

चीनी मोबाइल कंपनियों पर दस राज्यों में छापे, डिजिटल डाटा जब्त

नई दिल्ली/नोएडा। पूर्वी लद्दाख में सीमा पर तनाव के बीच देश के दस राज्यों में चीनी मोबाइल फोन कंपनियों के परिसरों पर आयकर विभाग ने छापे मारे हैं। इन कंपनियों में ओप्पो, शाओमी और वन प्लस शामिल हैं। विभागीय सूत्रों ने बताया, दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम, मुंबई, बेंगलुरु, कोलकाता, गुवाहाटी, इंदौर, चेन्नई, हैदराबाद व अन्य शहरों में इन कंपनियों के दो दर्जन से अधिक परिसरों पर कार्रवाई बुधवार सुबह से देर रात तक जारी थी। कुछ फिनटेक कंपनियों पर भी कार्रवाई की जा रही है। मोबाइल फोन कंपनियों के कार्यकारी स्तर के कई अधिकारी भी जांच के दायरे में हैं। फिलहाल इनसे पूछताछ की जा रही है। सरकारी सूत्रों ने बताया, इन कंपनियों में बड़ी मात्रा में कर चोरी की गोपनीय जानकारी मिली थी।लंबे समय से आयकर विभाग इनकी गतिविधियों पर नजर रखे था। पुख्ता जानकारी मिलने के बाद छापे डालने का फैसला किया गया। सभी जगह से भारी संख्या में डिजिटल डाटा जब्त किया गया है। हालांकि, विभाग ने बरामदगियों के बारे में कोई जानकारी देने से मना कर दिया है।

गुरुग्राम में ओप्पो मोबाइल कंपनी के कॉरपोरेट आफिस के साथ गोदाम व सीईओ नवनीत नाकरा के आवास व कैंप कार्यालय पर छापे में बेनामी संपत्ति से जुड़े साक्ष्य, आभूषण, नकदी के साथ एफडी के कागजात भी बरामद किए हैं।

ओप्पो के सीईओ नाकरा पहले एपल के सीईओ थे। उनके हेमिल्टन कोर्ट स्थित ग्लेरिया मार्केट स्थित आवास एवं कैंप कार्यालय पर छापा मारा गया।

हम सरकार से सहयोग कर रहे हैं-इस बीच ओप्पो कंपनी ने मीडिया को बताया कि एक निवेश पार्टनर के रूप में वह भारत के कानूनों का सम्मान करती है। कंपनी ने छापे के दौरान टैक्स अधिकारियों को पूरा सहयोग देने की बात भी कही।

दिल्ली हवाई अड्डे पर जांच में हर पांच में से एक मरीज ओमिक्रॉन संक्रमित, राजधानी हॉटस्पॉट बनने की ओर

एक अध्ययन से पता चला है कि ओमिक्रॉन वैरिएंट के लिए रिपोर्ट किए गए शीर्ष पांच लक्षणों में नाक बहना, सिरदर्द, थकान (या तो हल्का या गंभीर), छींकना और गले में खराश होना है।

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन ने सरकार की चिंता बढ़ा दी है। इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी (आईजीआईबी) का कहना है कि इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर परीक्षण करने वाले प्रत्येक पांच यात्रियों में से एक मामला ओमिक्रॉन का मिल रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, एक वरिष्ठ वैज्ञानिक ने कहा कि आईजीआईबी में हर दिन 15 से 20 नमूनों का अनुक्रम किया जा रहा था। दिल्ली में दो दिसंबर को तंजानिया से लौटे 37 वर्षीय व्यक्ति में ओमिक्रॉन का पहला मामला सामने आया था। पिछले 20 दिनों में यह संख्या 57 हो गई है। पिछले 24 घंटों में इस वैरिएंट के तीन नए मामलों की पुष्टि हुई है। जो डेल्टा वैरिएंट की तुलना में तीन गुना अधिक संक्रामक है।

इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी (आईजीआईबी) का कहना है कि इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर परीक्षण करने वाले प्रत्येक पांच यात्रियों में से एक मामला ओमिक्रॉन का मिल रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, एक वरिष्ठ वैज्ञानिक ने कहा कि आईजीआईबी में हर दिन 15 से 20 नमूनों का अनुक्रम किया जा रहा था। दिल्ली में दो दिसंबर को तंजानिया से लौटे 37 वर्षीय व्यक्ति में ओमिक्रॉन का पहला मामला सामने आया था।

समुदाय में भी फैल सकता है ओमिक्रॉन-प्रारंभ में ओमिक्रॉन अंतरराष्ट्रीय यात्रियों तक सीमित था। लेकिन महामारी विज्ञानियों ने कहा कि पिछले एक सप्ताह में कोविड-19 मामलों में अचानक बढ़ोतरी बता रही है कि यह समुदाय में भी फैल सकता है। हमारे पास अस्पताल में 17 ओमिक्रॉन मरीज भर्ती हैं। उनमें से तीन का कोई यात्रा इतिहास नहीं है।

कुल मामलों में से लगभग 27 फीसदी मामले दिल्ली में-देश में रिपोर्ट किए गए कुल 213 मामलों में से लगभग 27 फीसदी मामले दिल्ली में हैं। दिल्ली के बाद सभी महानगरों में मुंबई में सबसे ज्यादा (30) मामले हैं। लोक नायक अस्पताल के चिकित्सा निदेशक डॉ सुरेश कुमार ने कहा कि दिल्ली और मुंबई दोनों में सबसे व्यस्त हवाई अड्डे हैं। जहां रोजाना सैकड़ों अंतरराष्ट्रीय यात्री आते हैं। यही कारण है कि दोनों शहरों में मामलों की संख्या अधिक है।

दिल्ली हाईकोर्ट में मामला-अमेजन ने प्रवर्तन निदेशालय पर दायर किया मुकदमा

नई दिल्ली। अमेजन और फ्यूचर समूह के बीच जारी विवाद एक बार फिर दिल्ली हाईकोर्ट जा पहुंचा है। इस बार अमेजन ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के खिलाफ याचिका लगाई है। इसमें विदेशी निवेश कानून के उल्लंघन को लेकर ईडी की जांच पर सवाल उठाए हैं।

अमेजन ने 816 पेज की याचिका में आरोप लगाया है कि 2019 में फ्यूचर समूह के साथ हुए 20 करोड़ डॉलर के करार को लेकर उसे बेवजह परेशान किया जा रहा। इसे लेकर ईडी की ओर से जारी समन में जो जानकारियां मांगी गई हैं, वह फ्यूचर समूह की डील से अलग हैं। यह जांच पूरी तरह परेशान करने के लिए की जा रही है, जिसमें अमेजन के कई कार्यकारी अधिकारियों व भारत प्रमुख को समन जारी किया गया है। अमेरिकी ई-कॉमर्स कंपनी ने अदालत से अपील की है कि संबंधित मामले में ईडी को किस तरह की जांच का अधिकार है, इसे स्पष्ट किया जाए।

अमेजन ने 816 पेज की याचिका में आरोप लगाया है कि 2019 में फ्यूचर समूह के साथ हुए 20 करोड़ डॉलर के करार को लेकर उसे बेवजह परेशान किया जा रहा।

मुस्लिम पति का पत्नियों के साथ बराबरी का व्यवहार न करना तलाक का आधार, केरल हाई कोर्ट का दूरगामी फैसला

नई दिल्ली। केरल हाई कोर्ट ने मुस्लिम महिलाओं के तलाक के अधिकार पर अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा है कि मुस्लिम पति का पत्नियों के बीच भेदभाव करना या बराबरी का व्यवहार न करना तलाक का वैध आधार है। कोर्ट ने फैसले में कहा कि दूसरी शादी के बाद पहली पत्नी के साथ वैवाहिक दायित्वों को निभाने से इन्कार करना कुरान के आदेशों के उल्लंघन के समान है जो पति द्वारा एक से अधिक विवाह करने पर पत्नियों के साथ समान व्यवहार करने का आदेश देता है। कोर्ट ने महिला की तलाक की याचिका स्वीकार करते हुए कहा कि इन परिस्थितियों में याचिकाकर्ता इस आधार पर भी तलाक की डिक्री प्राप्त करने की हकदार है।यह अहम फैसला जस्टिस ए. मुहम्मद मुश्ताक और जस्टिस सोफी थामस की खंडपीठ ने दिसंबर माह की शुरुआत में सुनाया। फैसला बहुत महत्वपूर्ण और दूरगामी परिणाम वाला है।

मालूम हो कि मुसलमानों में चार शादियों की इजाजत है, लेकिन कुरान कहती है कि अगर पति एक से ज्यादा पत्नियां रखता है तो वह सभी पत्नियों के साथ बराबरी का व्यवहार करेगा। मौजूदा मामले में महिला ने मुस्लिम विवाह विघटन अधिनियम, 1939 के तहत

याचिका दाखिल कर पति से तलाक मांगा था। परिवार अदालत से याचिका खारिज होने के बाद महिला ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। याचिका में मुस्लिम विवाह विघटन अधिनियम की धारा 2(2), 2(4) और 2(8) को तलाक का आधार बनाया गया था।

धारा 2(2) कहती है कि पत्नी तलाक की हकदार है अगर पति पत्नी की उपेक्षा करता है या दो साल तक भरण पोषण करने में नाकाम रहता है। धारा 2(4) कहती है कि जब पति बिना किसी उचित कारण के तीन साल तक वैवाहिक दायित्वों के निर्वहन में नाकाम रहता है। धारा 2(8)(ए) और (एफ) कहती है कि पति पत्नी के साथ क्रूरता का व्यवहार करता है। (ए) आदतन पत्नी पर हमला करता है और अपने क्रूर व्यवहार से उसकी जिंदगी दयनीय बना देता है, भले ही ऐसा आचरण शारीरिक दु?र्व्यवहार के समान न हो। उपधारा (एफ) कहती है कि यदि पति एक से अधिक पत्नियां रखता है और कुरान के आदेशानुसार उनके साथ समान व्यवहार नहीं करता। याचिकाकर्ता पत्नी ने कानून में दिए गए उपरोक्त आधारों पर पति से तलाक मांगा था। हालांकि एक से अधिक पत्नी होने पर कुरान के आदेशानुसार सभी के साथ समान व्यवहार को महिला ने विशेष तौर पर याचिका में आधार नहीं बनाया था, लेकिन हाई कोर्ट ने उस पर विचार किया और उसे स्वीकार भी किया।

वैक्सीन सर्टिफिकेट नहीं तो सैलरी भी नहीं, पंजाब सरकार ने दिया आदेश

चंडीगढ़। कोरोना की तीसरी लहर की आशंकाओं के मद्देनजर पंजाब सरकार ने अपने सभी कर्मचारियों से कहा है कि अगर उन्होंने कोरोना टीकाकरण सर्टिफिकेट नहीं दिखाया तो उन्हें वेतन नहीं मिलेगा। पंजाब सरकार ने कहा है कि उसके कर्मचारियों को तब तक वेतन नहीं दिया जाएगा जब तक वे वैक्सीन सर्टिफिकेट नहीं जमा करा देते। राज्य सरकार ने कर्मचारियों से कहा है कि वे अपना फुल या प्रोविजनल वैक्सीन सर्टिफिकेट नंबर पंजाब सरकार के ह्यूमन रिसोर्स पोर्टल iHRMS पर रजिस्टर करें। यदि कोई कर्मी ऐशा नहीं करता है तो उन्हें उनका वेतन नहीं दिया जाएगा। पंजाब सरकार के इस निर्णय को अधिक से अधिक कर्मचारियों को टीका लगवाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए उठाए गए कदम के रूप में देखा जा रहा है। यह आदेश ऐसे समय जारी किया गया है जब कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन का संक्रमण फैलने का खतरा मंडरा रहा है।

अगर उन्होंने कोरोना टीकाकरण सर्टिफिकेट नहीं दिखाया तो उन्हें वेतन नहीं मिलेगा। पंजाब सरकार ने कहा है कि उसके कर्मचारियों को तब तक वेतन नहीं दिया जाएगा जब तक वे वैक्सीन सर्टिफिकेट नहीं जमा करा देते।

मंत्री कॉन्फ्रेंस में पी रहे हैं दूध तो PM लोगों से कह रहे- लो ज्यादा से ज्यादा घूंट

नई दिल्ली। दुनिया भर में जापान की छवि एक हाई-टेक देश के तौर पर है। लेकिन इस वक्त जापान एक अन्य दिलचस्प वजह से सुर्खियों में है। यह वजह दूध है। जापान के राजनेता लोगों से आग्रह कर रहे हैं कि वो दूध पीएं। इतना ही नहीं किसी न्यूज कॉन्फ्रेंस के दौरान देश के मंत्री दूध पीते भी नजर आ रहे हैं और लोगों से ऐसा करने की अपील भी कर रहे हैं। खास बात यह भी है कि खुद देश के प्रधानमंत्री भी इस कैंपेन का हिस्सा बन गए हैं और यहां जनता से यह पौष्टिक घूंट ज्यादा से ज्यादा लेने की गुजारिश कर रहे हैं।

PM, मंत्री ने कही यह बात

बीते मंगलवार को जापान के प्रधानमंत्री फुमिओ किशिदा ने कहा, हम यह चाहते हैं कि ज्यादा से ज्यादा आबादी

एक्स्ट्रा दूध पीने में सहयोग करे और खाना बनाते वक्त दूध से बने सामानों का इस्तेमाल करे। प्रधानमंत्री संसद सत्र के खत्म होने के बाद मीडिया से बातचीत कर रहे थे। हालांकि, सिर्फ पीएम ही नहीं बल्कि उनके मंत्री भी कुछ इसी तरह की सलाह जनता को दे रहे हैं। 17 दिसंबर को देश के मंत्री गेंजिरो कैनिको और टोक्यो के गवर्नर यूरिको कोइके ने अपने प्रेस कॉन्फ्रेंस में गिलास में रखा दूध भी पीया।

यह है इसकी वजह

दरअसल यह सारी कोशिशें दूध की बर्बादी रोकने को लेकर हो रही हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में सरकारी आंकड़ों के हवाले बताया गया है कि सर्दियों में अभी तक जापान में 5000 टन दूध बर्बाद हो चुके हैं। यहां के किसान भी दूध को बर्बाद होने से रोकने के लिए चलाए जा रहे इस कैंपेन में बढ़-चढ़ कर हिस्सा ले रहे हैं। किसान सोशल मीडिया पर हैशटैग #vLperday नाम से एक मुहिम चला रहे हैं और लोगों से दूध ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करने के लिए कह रहे हैं।

यहां डेयरी उद्योग से जुड़े लोग भी इस मुहिम का हिस्सा बने हैं। डेयरी उद्योग से जुड़ी एक कंपनी मिजी होल्डिंग्स ने ओलंपिक रेसलिंग चैंपियन साओरी योशिदा को कैंपेन का हिस्सा बनाया है और उनके जरिए मैसेज दिया जा रहा है कि दूध की बर्बादी रोकें तथा ज्यादा से ज्यादा मात्रा में दूध पीएं।

जापान में इस साल दूध की मांग में काफी गिरावट आई है। यहां तक कि जापान में स्कूली बच्चों को भी लंचबॉक्स में दूध दिये जा रहे हैं। दूध की मांग में गिरावट की एक वजह कोरोना महामारी को भी माना जा रहा है। हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री अभी मंदी से उबरने की कोशिश में लगी है, जिसकी वजह से दूध की मांग इस सेक्टर में भी काफी कम हो गई है।

न खांसी न बुखार, पता ही नहीं चला ओमिक्रॉन हो गया; मरीज ने बताई आपबीती

नई दिल्ली। दुनियाभर में तेजी से बढ़ते कोरोना वायरस के ओमिक्रॉन वैरिएंट के खतरे के बीच दिल्ली में भी कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या एक बार फिर बढ़ने लगी है। ओमिक्रॉन संक्रमण से पीड़ित साहिल ने हिन्दुस्तान से बातचीत में कहा कि मुझे न खांसी थी और न बुखार जैसा कोई लक्षण। मैं पूरी तरह ठीक था। मुझे तो यह भी नहीं लग रहा था कि मैं कोरोना संक्रमित हूं।

एयरपोर्ट पर जांच ही नहीं हुई

27 वर्षीय साहिल ने बताया कि 4 दिसंबर को वे दुबई से दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचे। ई-सुविधा का इस्तेमाल कर एयरपोर्ट से बाहर निकले। किसी ने उनकी जांच नहीं की। रोहिणी में घर लौटने के बाद वे आम जीवन जी रहे थे। किसी काम से मुंबई जाना था, इसलिए तीन दिन बाद 7 दिसंबर को कोरोना की जांच कराई। अगले दिन जांच रिपोर्ट में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई। 10 दिसंबर को स्वास्थ्य विभाग से कॉल आया कि कोरोना के ओमिक्रॉन वाले वैरिएंट से संक्रमित होने का पता चला है।

दरअसल, जब साहिल कोरोना संक्रमित हुए तो उनकी ट्रैवल हिस्ट्री देखी गई और विदेश से लौटने का पता चला तो उनके सैंपल की जीनोम सिक्वेंस जांच कराई गई।

साहिल ने बताया कि जांच में ओमिक्रॉन की पुष्टि होने के बाद उनके घर के सामने चार सुरक्षा गार्ड तैनात कर दिए गए। उन्होंने कहा कि वह खुद सुरक्षा के तौर पर घर में आइसोलेशन में रह रहे थे। ऐसे में सुरक्षा गार्ड का बाहर रखना उन्हें पसंद नहीं आया। ओमिक्रॉन की पुष्टि होने के बाद 11 दिसंबर को उन्हें लोक नायक अस्पताल ले जाने के लिए घर के नीचे एंबुलेंस भेजी गई। अस्पताल में उन्हें अलग कमरा दिया गया था। वहां कुछ दिन बाद और ओमिक्रॉन संक्रमित आ गए। करीब 35 से 40 कोरोना संक्रमित वहां थे। अधिकतर में लक्षण नहीं थे।

दवा नहीं ली-साहिल ने बताया कि चूंकि उन्हें कोई लक्षण नहीं थे तो कोई दवा भी नहीं ली, लेकिन उनके कमरे में जिंक, विटामिन सी, पैरासिटामोल जैसी सामान्य दवाएं रख दी जाती थीं, लेकिन उन्होंने कुछ नहीं लिया। 16 दिसंबर को साहिल को घर भेज दिया गया।

पहली लहर में भी संक्रमित हुए थे

उन्होंने बताया कि ये कोई पहली बार नहीं है कि वे संक्रमित हुए हों। पहली लहर के दौरान भी संक्रमित हो चुके हैं। उन्होंने टीके की दोनों खुराक ली है। साहिल ठाकुर को अब अस्पताल से छुट्टी मिल चुकी है। अभी उनको घर पर 14 दिन के लिए होम क्वारंटाइन रखा गया है। साहिल के घर के बाहर कुछ सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई है। ये सुरक्षाकर्मी सुनिश्चित कर रहे हैं कि उनके घर पर कोई अन्य न आ सके।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा

मोबाईल:-9879141180

या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार

भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com